# सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

क्षेत्र से आए लोगों की विधायक ने समस्या का किया समाधान पेज: 6

ग्लोबल एनीमे अवॉर्ड्स में होगी शामिल पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 09 | शुक्रवार 10 अप्रैल 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

## झांसी में रूह कंपा देने वाले दोहरे हत्याकांड का खुलासा : गुजरात से लाई गई महिला की कुल्हाड़ी से हत्या, मासूम बेटे को जिंदा जलाया

झांसी (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के झांसी जिले से रूह को कंपा देने वाली वारदात सामने आई है, जिसने सभी के दिलों को झकझोर कर रख दिया है। दरअसल एक शख्स ने अपनी प्रेमिका और उसके तीन वर्षीय मासूम बच्चे को गुजरात से झांसी लाकर बेरहमी से मौत के घाट उतार दिया। जहां महिला को कुल्हाड़ी से काटकर मार डाला, वहीं उसके मासूम बेटे को भूसे के ढेर में डालकर जिंदा जला दिया। इस सनसनीखेज वारदात का खुलासा महिला की पचान होने के बाद बुधवार को हुआ। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार उक्त घटना का पता 5 अप्रैल को चला था, जब झांसी जिले के लहचूरा क्षेत्र में सड़क किनारे एक महिला का शव बरामद हुआ। शुरुआत में शव की पहचान नहीं हो सकी। बरौटा गांव के प्रधान रामप्रसाद ने पुलिस को बताया कि जिस घर के पास महिला का शव मिला, वह चतुर्भुज का है। पुलिस ने चतुर्भुज की पत्नी हेमलता से फोन पर संपर्क किया, जिसने खुलासा किया कि वह दिल्ली में है और उसके पति चतुर्भुज के गुजरात की नीलू नाम की एक महिला से संबंध हैं। हेमलता ने बताया कि चतुर्भुज नीलू को अपनी पत्नी की तरह रखता है और उसके साथ उसका तीन साल का बेटा कृष्णा भी रहता है।

## यूपी में किडनी के बाद अब लिवर ट्रांसप्लांट गिरोह से जुड़े दो नए टेलीग्राम ग्रुप मिले

लखनऊ(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में किडनी तस्करी के बाद अब लिवर ट्रांसप्लांट का लेकर खुलासा हुआ है। कानपुर पुलिस को गिरोह से जुड़े दो नए टेलीग्राम ग्रुप मिले हैं, जिसमें एक में लिवर ट्रांसप्लांट की जानकारी सामने आई। इस समूह में 700 से अधिक सदस्य हैं, जिसमें किडनी और लिवर से जुड़े दलाल और आरोपी शामिल हैं। इससे पुलिस का ध्यान अब मानव अंगों की व्यापक तस्करी की ओर बढ़ गया है। किडनी कांड से जुड़े बड़े आरोपी बागपत निवासी परवेज सैफी को हाल ही में जेल भेजा गया। उसके पास से 9.05 लाख बरामद हुए। जांच में पता चला कि गिरोह का सरगना गाजियाबाद का डॉ.रोहित अलग-अलग मोबाइल नंबरों के जरिए ऑपरेशन टीम, किडनी एजेंट और अन्य आरोपी सदस्यों से संपर्क करता था। उसकी सभी नंबरों की कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) निकाली जा रही हैं। डीसीपी पश्चिम एसएम कासिम आबिदी ने बताया कि पहले ही टेलीग्राम ग्रुप में किडनी डोनर से जुड़ी जानकारी मिली थी। अब लिवर डोनर वाले तीसरे ग्रुप की पहचान हुई है। गिरोह का दावा है कि यह लोग सिर्फ किडनी ही नहीं, बल्कि लिवर ट्रांसप्लांट भी करवा रहे थे।

## फिर सामने आया महबूबा का पाकिस्तान प्रेम...संघर्ष को रुकवाने के लिए दिया धन्यवाद

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर की राजनीति में अंतरराष्ट्रीय मुद्दों को लेकर नई बहस छिड़ गई है, जिसमें पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती और वर्तमान सीएम उमर अबदुल्ला के बयान चर्चा का केंद्र में हैं। ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच हालिया तनाव और संघर्षविराम को लेकर दोनों नेताओं ने अलग-अलग बयान दिए हैं। जहां उमर ने कहा

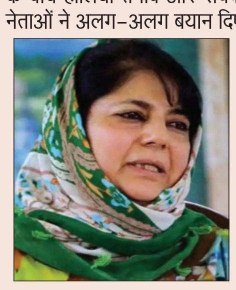

कि मौजूदा संघर्ष की असली कुंजी अब भी अमेरिका के हाथ में है। उनका मानना है कि यदि अमेरिका अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर इजराइल को नियंत्रित नहीं करता, तब संघर्षविराम लंबे समय तक टिक नहीं पाएगा। उन्होंने कहा कि यह टकराव ईरान पर थोपा गया है और इसका भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि वैश्विक शक्तियां स्थिति को कैसे संभालती हैं। उमर ने लेबनान और इजराइल के बीच बढ़ते तनाव पर चिंता जताकर चेतावनी दी कि हालात बिगड़ने पर संघर्ष और भड़क सकता है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बदलते बयानों की भी आलोचना की, यह कहते हुए कि इस तरह की अस्थिर भाषा वैश्विक स्तर पर भ्रम और अस्थिरता पैदा करती है। साथ ही उन्होंने भारत-इजराइल संबंधों पर इशारा कर कहा कि इससे भारत की निष्पक्ष मध्यस्थ की भूमिका सीमित हो सकती है। वहीं दूसरी ओर, महबूबा मुफ्ती ने संघर्षविराम को राहत भरा कदम बताया, लेकिन उनके बयान विवाद का कारण बन गए। उन्होंने दावा किया कि ईरान ने संघर्ष के दौरान आम नागरिकों को निशाना नहीं बनाया, जबकि अमेरिका पर नागरिक ठिकानों पर हमले करने का आरोप लगाया। उन्होंने ईरान की सराहना करते हुए कहा कि उसने दबाव के बावजूद मजबूती दिखाई। सबसे अधिक चर्चा उनके उस बयान पर हो रही है, जिसमें उन्होंने पाकिस्तान की भूमिका की तारीफ की। महबूबा के अनुसार, पाकिस्तान ने संघर्ष को विश्व युद्ध में बदलने से रोकने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

## शिमला में अप्रैल में दिसंबर जैसी ठंडी का अहसास... न्यूनतम तापमान .6 डिग्री सेल्सियस पहुंचा

शिमला(एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में अप्रैल माह में अभूतपूर्व ठंड दर्ज की गई है, इस ठंड ने पिछले 23 वर्षों के रिकॉर्ड तोड़ दिए। बीती रात न्यूनतम तापमान गिरकर 3.6 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया, जो सामान्य से करीब 7 डिग्री कम है। इससे पहले 22 अप्रैल 2021 को न्यूनतम तापमान 4 डिग्री दर्ज किया था। भारत मौसम विज्ञान विभाग के 2003 से उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार यह अप्रैल की सबसे ठंडी रात रही। सिर्फ शिमला ही नहीं, बल्कि पूरे हिमाचल में तापमान में भारी गिरावट देखी गई है। बारिश, बर्फबारी और ओलावृष्टि के कारण मौसम जनवरी-फरवरी जैसा ठंडा हो गया है। राज्य के तीन शहरों में तापमान शून्य से नीचे चला गया, जबकि कई स्थानों पर यह 5 डिग्री से भी कम दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान में भी बड़ी गिरावट आई है। राज्य का औसत अधिकतम तापमान सामान्य से 11 डिग्री कम रहा, जबकि कुछ जगहों पर यह गिरावट 14 डिग्री तक पहुंच गई। कांगड़ा में अधिकतम तापमान 18 डिग्री, मंडी में 18.7 डिग्री और मनाली में केवल 8.6 डिग्री दर्ज किया गया। शिमला में अधिकतम तापमान 11.4 डिग्री तक सीमित रहा। पिछले एक सप्ताह में राज्य में सामान्य से 169 प्रतिशत अधिक बारिश हुई है। 2 से 8 अप्रैल के बीच जहां सामान्यत: 16 मिमी वर्षा होती है, वहीं इस बार 43 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। इस असामान्य मौसम ने ठंड को बढ़ाने के साथ-साथ सेब के बगीचों को भी नुकसान पहुंचाया है।

# समाज और राष्ट्र में सत्यम, शिवम और सुंदरम की स्थापना करना ही संघ का उद्देश्य : भागवत

**नागपुर (एजेंसी)।** महाराष्ट्र के नागपुर में रेशीमबाग स्थित डॉ. हेडगेवार स्मृति मंदिर परिसर में आयोजित कार्यक्रम में नागपुर महानगर के घोष पथक के इतिहास पर आधारित 'राष्ट्र स्वराधना' नामक हस्तलिखित ग्रंथ के लोकार्पण मौके पर सरसंघचालक डॉ.मोहन भागवत ने कहा कि संघ के घोषदल में विभिन्न वाद्य यंत्र होते हैं, जिनके स्वर और ध्वनि अलग-अलग होते हुए भी स्वयंसेवक एक ही ताल पर चलते हैं। इससे समन्वय और एकता की भावना विकसित होती है। जब कोई कार्य मन और पूरी निष्ठा के साथ होता है, तब उसका परिणाम इसी रूप में प्रकट होता है और सत्यम-शिवम-सुंदरम का अनुभव होता है। समाज और राष्ट्र में सत्यम, शिवम और सुंदरम की स्थापना करना ही संघ का उद्देश्य है। इस मौके पर विदर्भ प्रांत संघचालक दीपक तामशेट्टीवार, सह संघचालक श्रीधरजी गाडगे, महानगर संघचालक राजेश लोया उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान नागपुर महानगर घोष वादकों ने विभिन्न रचनाएँ एवं प्रात्यक्षिक प्रस्तुत किए। सरसंघचालक भागवत ने कहा कि संघ के सभी कार्यक्रमों का उद्देश्य

संस्कारों का निर्माण करना है। सुदृढ़ शरीर और संस्कारित मन के समन्वय से गुणवत्तापूर्ण जीवन की दिशा में आगे बढ़ना ही हमारा लक्ष्य है। इस दृष्टि से 'राष्ट्र स्वराधना' का हस्तलिखित इतिहास अत्यंत महत्वपूर्ण है। समय बीत जाता है, कार्य खड़ा हो जाता है, परंतु जो मौलिक गुणवत्ता शुरुआत में थी, उस गुणवत्ता को अंत तक बनाए रखना महत्वपूर्ण बात है। हमने कार्य विकट परिस्थिति में कैसे खड़ा किया और किस उद्देश्य से किया, इसका सदैव स्मरण हस्तलिखित ग्रंथ देने वाला है। स्वयंसेवक पेशेवर गायक या वादक न होते हुए भी, अपने दैनिक कार्यों को संभालते हुए, बिना सामने कागज रखे इतनी सारी रचनाएँ कैसे प्रस्तुत कर लेते हैं, इस पर लोगों को आश्चर्य होता है। परंतु चमत्कार करना संघ का उद्देश्य नहीं होता, वह स्वयं घटित हो जाता है। पूर्व स्वयंसेवकों के सद्गुण इन रचनाओं में मिलते हैं और दिखाई देते हैं। भाव तभी उत्पन्न होता है, जब वादक मनःपूर्वक वादन करता है। उन्होंने कहा कि संघ का काम किसी की कृपा से आगे नहीं बढ़ा और न ही किसी की अवकृपा से संघ का काम रुका है। यह सबकुछ लाखों स्वयंसेवकों के परिश्रम से साकार हुआ है। संघ को अपना मानकर संघ के विचार के अनुसार राष्ट्र का स्वरूप खड़ा करने में सभी स्वयंसेवकों ने अपनी पूरी ताकत लगा दी, इसकारण संघ आज देश को दिशा दर्शन करने वाली शक्ति का रूप लेकर खड़ा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का इस वर्ष शताब्दी वर्ष है। संगठन के निरंतर कार्य को सौ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में यह कोई उत्सव (सेलिब्रेशन) नहीं है, बल्कि यह आत्मावलोकन का अवसर है पूर्वजों का स्मरण करते हुए और अधिक उन्नत स्थिति की ओर बढ़ने का प्रयास है। आज के स्वयंसेवकों की भी जिम्मेदारी है कि वे अपने पूर्वजों के कार्यों का मूल्यांकन करें और स्वयं को उनके साथ तुलना कर आगे बढ़ें। पूर्वजों द्वारा किए गए कार्य को केवल सुरक्षित रखना ही नहीं, बल्कि उसे और अधिक उन्नत रूप में आगे ले जाना वर्तमान पीढ़ी का कर्तव्य है।

## इंदौर में वंदे मातरम गाने से इंकार पर बवाल, कांग्रेस पार्षद फौजिया शेख सदन से सस्पेंड

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर नगर निगम के बजट पर चर्चा के दौरान कांग्रेस पार्टी की महिला पार्षद ने वंदे मातरम गाने इंकार किया, इसके बाद विवाद खड़ा हो गया। यह घटना तब हुई, जब कांग्रेस पार्षद फौजिया शेख अलीम बैठक में देर से पहुंचीं। बताया जाता है कि भाजपा पार्षदों ने फौजिया से वंदे मातरम गाने का अनुरोध किया, इस अनुरोध को उन्होंने अस्वीकार किया। इसके बाद भाजपा पार्षदों ने हंगामा कर नारे लगाए। बाद में, अध्यक्ष मुन्नालाल यादव ने फौजिया को एक दिन के लिए बैठक से निलंबित किया। अध्यक्ष मुन्नालाल ने बताया कि वंदे मातरम गीत को 150 वर्ष पूरे हो चुके हैं और केंद्र ने दिशानिर्देश जारी किए हैं कि इस सभी सरकारी कार्यालयों में गाया जाना चाहिए। कांग्रेस पार्षद फौजिया वंदे मातरम गाने के दौरान अनुपस्थित रहीं और बाद में सदन में आकर कार्यवाही में बाधा डालने लगीं। जब सदस्यों ने बताया कि उन्हें उस समय उपस्थित रहना चाहिए था, तब उन्होंने गीत के बारे में आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया। इस बीच, कांग्रेस पार्षद रुबीना खान ने कहा कि वह पिछले 15 वर्षों से फौजिया शेख अलीम के साथ पार्षद रही हैं और वह हमेशा वंदे मातरम गाती रही हैं। उन्होंने कहा कि उस दिन क्या हुआ, यह स्पष्ट नहीं है। रुबीना ने कहा कि फौजिया बोल रही थीं और मुझे नहीं पता कि उन्होंने कहा, लेकिन उन्होंने कहा कि वह वंदे मातरम नहीं गाएंगी। इसके बाद सदन में हंगामा शुरू हो गया और अध्यक्ष ने उन्हें एक दिन के लिए निष्कासित कर दिया। मैं पिछले 15 वर्षों से फौजिया शेख अलीम के साथ पार्षद रही हूं और वह हमेशा वंदे मातरम गाती रही हैं, लेकिन आज क्या हुआ, यह स्पष्ट नहीं है।

## नितिन नबीन ने कहा- ममता बांग्लादेशियों की तो भाजपा बंगालियों की करती है चिंता

**कोलकाता (एजेंसी)।** भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने विभिन्न राजनीतिक मुद्दों पर अपनी राय रखते हुए विपक्ष के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। उन्होंने आगामी विधानसभा चुनावों से लेकर नेताओं की बयानबाजी तक पर बेबाक टिप्पणी की है। एक विशेष बातचीत के दौरान, नबीन ने पश्चिम बंगाल को लेकर बड़ा दावा करते हुए कहा कि राज्य में भाजपा पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने केवल बांग्लादेशियों के हितों की चिंता की है, जबकि राज्य की आम जनता को उपेक्षित रखा गया है। नबीन ने स्पष्ट किया कि अब बंगाल की जनता की असली चिंता भारतीय जनता पार्टी ही करेगी।

तमिलनाडु की राजनीतिक स्थिति पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में बदलाव की लहर है और भाजपा वहां बेहद मजबूत स्थिति में है। इसके साथ ही उन्होंने के. अन्नामलाई की नाराजगी की खबरों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि वे पूरी तरह सक्रिय हैं और चुनाव प्रचार में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। नितिन नबीन ने राजनीति में भाषा की मर्यादा का मुद्दा उठाते हुए कांग्रेस पर कड़ा प्रहार किया। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा और कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के बीच चल रहे विवाद पर उन्होंने कहा कि पासपोर्ट के नाम पर शब्दों के साथ जो खेल खेला गया है, उसकी सच्चाई जल्द ही सबके सामने आएगी। राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि उनके ज्ञान का दायरा काफी सीमित है और एनडीए के लिए सबसे बड़ी चुनौती गांधी परिवार और कांग्रेस की विचारधारा ही है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के गुजरात और 'सांप' वाले बयान पर भी नबीन ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि गुजरात सरदार पटेल और महात्मा गांधी की भूमि है, जहां से आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश का नेतृत्व कर रहे हैं। खड़गे के बयान को मूर्खतापूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपनी हार स्वीकार करने के बजाय कभी ईवीएम तो कभी जनता पर दोष मढ़ती है। उन्होंने आरोप लगाया कि 'सांप' वाली टिप्पणी से खड़गे ने सांप्रदायिक भावनाएं भड़काने की कोशिश की है, लेकिन देश की जनता सब देख रही है और समय आने पर इसका जवाब देगी।

# जयशंकर से मिले बांग्लादेश के विदेश मंत्री ने कहा- शेख हसीना को वापस भेजो

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत और बांग्लादेश के बीच बीते साल उपजे कूटनीतिक तनाव के बाद अब दोनों देशों के संबंधों में सुधार की नई कवायद शुरू हो गई है। इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए बांग्लादेश के नवनियुक्त विदेश मंत्री खलीलुर रहमान अपने पहले आधिकारिक विदेश दौरे पर भारत पहुंचे हैं। बुधवार को नई दिल्ली में उन्होंने भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों के साथ गहन चर्चा की। इस यात्रा को ढाका की नई सरकार द्वारा भारत के साथ पारस्परिक विश्वास और सम्मान के आधार पर संबंधों को फिर से पटरी पर लाने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।बैठक के केंद्र में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का मुद्दा रहा। बांग्लादेश द्वारा जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, विदेश मंत्री रहमान ने शेख हसीना और पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल के प्रत्यर्पण का अनुरोध दोहराया।

हालांकि, भारतीय विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में इस विशिष्ट मुद्दे का कोई उल्लेख नहीं किया गया, जो इस विषय पर भारत की संवेदनशीलता को दर्शाता है। गौरतलब है कि अगस्त 2024 में बांग्लादेश में हुए तख्तापलट और हिंसक प्रदर्शनों के बाद से शेख हसीना ने भारत में शरण ली हुई है, जबकि बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने उन्हें मृत्युदंड की सजा सुनाई है।

इन मतभेदों के बावजूद, दोनों पक्षों के बीच इस बात पर सहमति बनी है कि शेख हसीना की उपस्थिति द्विपक्षीय संबंधों के भविष्य में बाधा नहीं बननी चाहिए। भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोशल मीडिया पर इस मुलाकात को सकारात्मक बताते हुए कहा कि द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के उपायों और क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर विस्तार से चर्चा हुई है। भारत ने स्पष्ट किया है कि वह बांग्लादेश की नई सरकार के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ने और सहयोग के नए मार्ग प्रशस्त करने का इच्छुक है। इस उच्च स्तरीय यात्रा के दौरान व्यापार, ऊर्जा और जन-संपर्क जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी बातचीत हुई। भारत ने आश्वासन दिया है कि आने वाले हफ्तों में बांग्लादेशी नागरिकों के लिए चिकित्सा और व्यावसायिक वीजा जारी करने की प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा। इसके अलावा, बांग्लादेश ने छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के आरोपियों को पकड़ने में भारत के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। कुल मिलाकर, यह यात्रा दर्शाती है कि दोनों पड़ोसी देश पिछले एक साल के तनाव को पीछे छोड़कर एक नई और स्थिर साझेदारी की ओर कदम बढ़ा रहे हैं।

## राजनाथ सिंह ने जनरल फान वान जियांग को वियतनाम का रक्षामंत्री बनने पर दी बधाई, रणनीतिक सहयोग बढ़ाने पर जोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वियतनाम में नई नियुक्तियों पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने जनरल फान वान जियांग को वियतनाम के उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री बनने पर बधाई दी। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत वियतनाम के लंबे समय से चले आ रहे रक्षा संबंधों को और मजबूत करने के लिए हमेशा तत्पर रहेगा। वियतनाम की 16वीं राष्ट्रीय सभा ने अपने पहले सत्र के दौरान इसे मंजूरी दी, जो प्रधानमंत्री ले मिन्ह हंग के नेतृत्व में 2026-2031 कार्यकाल के लिए नई सरकार का हिस्सा है। यह नियुक्ति 8 अप्रैल को आधिकारिक रूप से घोषित की गई थी। इसी के बाद भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जनरल फान वान जियांग को बधाई दी। राजनाथ सिंह ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर जनरल फान वान जियांग के साथ की एक फोटो पोस्ट कर लिखा, 'सोशलिस्ट रिपब्लिक ऑफ वियतनाम के उप-प्रधानमंत्री और राष्ट्रीय रक्षा मंत्री के रूप में नियुक्ति पर जनरल फान वान जियांग को हार्दिक बधाई। भारत आपके निरंतर नेतृत्व में सुरक्षा, सैन्य आदान-प्रदान और रक्षा उद्योग सहयोग के क्षेत्रों में अपने लंबे समय से चले आ रहे रक्षा संबंधों को और मजबूत करने तथा सहयोग को और गहरा करने के लिए तत्पर है। हमें पूरा विश्वास है कि आने वाले वर्षों में हमारी साझेदारी और भी अधिक सुदृढ़ होती जाएगी।'

# राघव चड्ढा के किस तरफ बढ़ रहे हैं सियासी कदम, खुद की पार्टी बनाने में दिख रही दिलचस्पी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** आम आदमी पार्टी (आप) और राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा के बीच बढ़ती दूरियां अब एक निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई हैं। पार्टी की ओर से की गई अनुशासनात्मक कार्रवाई और चड्ढा के हालिया सोशल मीडिया पोस्ट ने दिल्ली से लेकर पंजाब तक की राजनीति में अटकलों का बाजार गर्म कर दिया है। हर किसी की निगाहें अब इस बात पर टिकी हैं कि क्या राघव चड्ढा आप से नाता तोड़कर अपनी नई राह चुनेंगे।

हाल ही में राघव चड्ढा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक रील शेयर की, जिसने उनके भविष्य की योजनाओं को लेकर नई चर्चा छेड़ दी है। इस रील में एक सोशल मीडिया क्रिएटर ने सुझाव दिया है कि चड्ढा को अब अपनी खुद की पार्टी बना लेनी चाहिए, जिसे जेन-जी पार्टी जैसा कोई नाम दिया जा सकता है। क्रिएटर का तर्क है कि किसी दूसरी पार्टी में जाने के बजाय अपनी पार्टी बनाने से उन्हें युवाओं का एकतरफा समर्थन मिलेगा। चड्ढा ने इस रील को दिलचस्प विचार करार देते हुए साझा किया है, जिसे उनके संभावित विद्रोह के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

विवाद की जड़ें पिछले कुछ समय से पार्टी के भीतर पनप रहे असंतोष में छिपी हैं। करीब एक हफ्ते पहले, आप ने चड्ढा को राज्यसभा में पार्टी के उपनेता पद से हटाकर उनकी जगह अशोक कुमार मित्तल को नियुक्त कर दिया था। इसके साथ ही उन पर संसद में पार्टी कोटे से बोलने पर भी रोक लगा दी गई। पार्टी नेताओं-अतिशी और सौरभ भारद्वाज-ने चड्ढा पर गंभीर आरोप लगाए हैं। इनमें बीजेपी के प्रति नरम रुख अपनाना, मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने से इनकार करना और अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के दौरान उनकी अनुपस्थिति जैसे मुद्दे प्रमुख हैं। अतिशी ने तो सीधे तौर पर सवाल किया कि क्या चड्ढा प्रधानमंत्री मोदी से सवाल करने में डरते हैं?

इन आरोपों के बीच राघव चड्ढा ने एक बेहद सांकेतिक संदेश साझा किया। उन्होंने रॉबर्ट ग्रीन की प्रसिद्ध पुस्तक की तस्वीर पोस्ट की, जिसका पहला अध्याय है-नेवर आउटशाइन द मास्टर (अपने गुरु से अधिक मत चमको)। चड्ढा का यह पलटवार इशारा करता है कि पार्टी के भीतर उनकी बढ़ती लोकप्रियता ही शायद उनके खिलाफ हुई कार्रवाई का असली कारण है। फिलहाल, चड्ढा ने कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन उनके दिलचस्प विचार ने यह साफ कर दिया है कि वह खामोश बैठने के मूड में नहीं हैं।

# तमिलनाडु में अफसरों के तबादले पर सियासी संग्राम, स्टालिन ने चुनाव आयोग पर लगाए पक्षपात के आरोप

### सीएम, बोले- डीएमके की जीत रोकने की कोशिश ; विपक्ष की शिकायतों के बाद हुई कार्रवाई

**चेन्नई (एजेंसी)।** चुनाव आयोग द्वारा तमिलनाडु में वरिष्ठ अधिकारियों के तबादले के फैसले पर सियासी विवाद गहराता जा रहा है। राज्य के मुख्यमंत्री और डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन ने इस कार्रवाई को पक्षपातपूर्ण बताते हुए कड़ी आपत्ति जताई है।

गौरतलब है कि चुनाव आयोग ने बुधवार को तमिलनाडु के मुख्य सचिव और डीजीपी स्तर के अधिकारियों को हटाते हुए नई नियुक्तियां कीं। मुख्य सचिव एन. मुरुगानंदन की जगह वरिष्ठ आईएएस अधिकारी एम. साई कुमार को नियुक्त किया गया है, जबकि डीजीपी (सशस्त्र पुलिस, सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक) एस. डेविडसन देवसीर्वाथम की जगह 1995 बैच के आईपीएस अधिकारी संदीप मित्तल को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

आयोग ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि हटाए गए अधिकारियों को चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक किसी भी चुनाव-संबंधित पद पर नियुक्त न किया जाए। यह कदम विपक्षी दलों की उन शिकायतों के बाद उठाया गया, जिनमें आरोप लगाया गया था कि राज्य का प्रशासनिक तंत्र सत्तारूढ़ डीएमके के पक्ष में काम कर रहा है।

इस फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए एमके स्टालिन ने सवाल उठाया कि हाल ही में चुनाव आयोग के अधिकारियों ने तमिलनाडु की कानून-व्यवस्था को संतोषजनक बताया था, फिर अचानक ऐसा क्या बदल गया कि इतने बड़े स्तर पर तबादले करने पड़े। उन्होंने आरोप लगाया कि आयोग ÷बीजेपी की एक शाखा÷ की तरह काम कर रहा है और यह कदम डीएमके की संभावित जीत को रोकने की कोशिश है।

स्टालिन ने यह भी दावा किया कि ये तबादले विशेष रूप से विपक्षी दल एआईएडीएमके और उसके नेता एडप्पादी के. पलानीस्वामी को फायदा पहुंचाने के लिए किए गए हैं। उन्होंने सेलम की

कलेक्टर वृंदा रवि के तबादले का भी उल्लेख करते हुए इसे राजनीतिक रणनीति बताया।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने सवाल उठाया कि क्या इसी तरह की कार्रवाई बिहार चुनावों के दौरान भी की गई थी। उन्होंने कहा कि इस तरह के कदमों से डीएमके को नहीं रोका जा सकता और उनकी पार्टी चुनाव में मजबूती से उभरेगी। तमिलनाडु में 23 अप्रैल को होने वाले मतदान से पहले इस घटनाक्रम ने राज्य की राजनीति को और गरमा दिया है।

# महानगरों में हर साल ट्रैफिक जाम के कारण 1.8 लाख करोड़ का नुकसान... अहमदाबाद बीआरटीएस सिस्टम समाधान

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** देश के बड़े शहरों में ट्रैफिक जाम गंभीर समस्या बन गई है, जिसका असर केवल यातायात तक सीमित नहीं बल्कि अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और लोगों की उत्पादकता पर दिख रहा है। एक अनुमान के अनुसार दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और कोलकाता जैसे महानगरों में हर साल करीब 1.8 लाख करोड़ रुपये का नुकसान ट्रैफिक जाम के कारण होता है। यदि समय रहते इसका समाधान नहीं हुआ, तब सिर्फ दिल्ली में ही 2030 तक सालाना 14.6 अरब डॉलर का नुकसान हो सकता है, जिसमें ईंधन और मानव संसाधन की बर्बादी शामिल है।

इस समस्या की बड़ी वजह निजी वाहनों की बढ़ती संख्या है, लेकिन मूल कारण सार्वजनिक परिवहन, खासकर बस सेवाओं की खराब स्थिति है। बसों की संख्या कम है और वे निर्धारित समय पर नहीं चल पातीं, क्योंकि उनके लिए अलग लेन नहीं होती। इससे यात्रियों को यात्रा का सही समय अनुमानित नहीं हो पाता। यदि बसों के लिए अलग लेन (लेन सिस्टम) लागू किया जाए, तब वे मेट्रो की तरह भरोसेमंद बन सकती हैं।

अहमदाबाद का बीआरटी (बस रैपिड ट्रांजिट) मॉडल इस समस्या का प्रभावी समाधान प्रस्तुत करता है। यहां बने बीआरटी कॉरिडोर में बसों की औसत गति 25-30 किमी प्रति घंटा रहती है, जो मेट्रो की औसत गति (लगभग 35 किमी/घंटा) के काफी करीब है। इससे यात्रा का समय 20-30 प्रतिशत तक कम हो जाता है और ईंधन की भी बचत होती है। इसकी लागत भी मेट्रो के मुकाबले काफी कम होती है, लगभग 10 से 40 करोड़ रुपये प्रति किलोमीटर। इस मॉडल का एक और बड़ा फायदा यह है कि करीब 22 प्रतिशत लोगों ने निजी वाहन छोड़कर सार्वजनिक परिवहन अपनाया है। इस तरह के सफल बीआरटी सिस्टम सूरत और राजकोट में भी देखने को मिलते हैं। हालांकि, इसतरह के कॉरिडोर उन्हीं सड़कों पर प्रभावी होते हैं जिनकी चौड़ाई कम से कम 24 से 30 मीटर हो। साथ ही, बस लेन को इस तरह डिजाइन करना जरूरी है कि उसमें अन्य वाहन प्रवेश न कर सकें।

वहीं, दिल्ली में बीआरटीएस का अनुभव असफल रहा, जिसका कारण संकरी सड़कों पर निर्माण, भीड़भाड़ वाले चौराहों पर उचित ढांचे की कमी और कमजोर एन्फोर्समेंट था। इन गलतियों से सीख लेकर यदि अन्य शहरों में बेहतर योजना और क्रियान्वयन के साथ बीआरटी सिस्टम लागू किया जाए, तब ट्रैफिक जाम की समस्या को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

# कहां गए शांति के कपोत उड़ाने वाले?

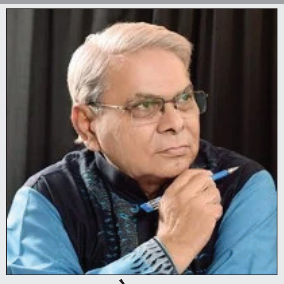

अशोक मधुप

**इतिहास गवाह है कि युद्ध कभी समस्या का समाधान नहीं रहा, बल्कि यह नई समस्याओं का जन्मदाता है। रूस-यूक्रेन युद्ध के समय भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कई बार कहा कि दुनिया को युद्ध की नहीं, बुद्ध की जरूरत है। कई मंचों से उन्होंने यह मांग उठाई, किंतु किसी भी देश ने शांति का समर्थन नहीं किया।**

आज की दुनिया बारूद से धधक रही है। रूस-यूक्रेन से लेकर मध्य पूर्व के रेगिस्तानों तक, हर तरफ मिसाइलों की गूँज है। शांति की बाते अब सुनाई नहीं देतीं। शांति के कपोत उड़ाने वाले दिखाई देने बंद हो गए। युद्ध की विभिषिका के विरोध में प्रदर्शन करने और मोमबत्ती जलाने वाले अब सड़कों से गायब है। युद्ध के विरोध के स्वर धीमे ही नही हुए, पूरी तरह खामोश हो गए। बुद्ध के संदेश अब किताबों में ही बंद होकर रह गए है। युद्धों के विरोध की कही से बात नही उठ रही। दुनिया में शांति स्थित करने के लिए बने संयुक्त राष्ट्रसंघ के मुंह पर टेप चिपक गया। वह देख सकता है। न कुछ बोल सकता है। न आदेश कर सकता है।

विडंबना देखिए कि इक्कीसवीं सदी में हम मंगल पर बस्तियां बसाने की बात कर रहे हैं, लेकिन जमीन के चंद टुकड़ों और आपसी वर्चस्व के लिए हजारों बेगुनाहों का खून बहाने से भी पीछे नहीं हट रहे। युद्ध चाहे रूस और यूक्रेन के बीच हो, या इजराइल, ईरान और अमेरिका के बीच का तनाव हो। जीत के झंडे चाहे जिस देश के हाथ आएं, हारती हमेशा मानवता है। इन युद्ध में विजयी कोई भी हो, सदा पराजित तो मानव होती है। मरती बस इंसानियत है।

इतिहास गवाह है कि युद्ध कभी समस्या का समाधान नहीं रहा, बल्कि यह नई समस्याओं का जन्मदाता है। रूस-यूक्रेन युद्ध के समय भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कई बार कहा कि दुनिया को युद्ध की नहीं, बुद्ध की जरूरत है। कई मंचों से उन्होंने यह मांग उठाई, किंतु किसी भी देश ने शांति का समर्थन नहीं किया। सब देश गूंगे बन कर रह गए। आज भी ये ही हाल है। मरता ईरान खाड़ी के उन देशों पर मिसाइल और ड्रोन दाग कर तबाही मचा रहा है, जिनमे अमेरिका के सैन्य अड्डे हैं। अपनी बरबादी होते देख ये देश ईरान पर अमेरिकी हमलों का उस तरह विरोध नही कर रहे, जिस तरह कि करना चाहिए।

रूस-यूक्रेन युद्ध के समय जहाँ वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा संकट को जन्म दिया तो मध्य पूर्व (इजराइल-हमास-ईरान) के संघर्ष ने दुनिया को धार्मिक और कूटनीतिक ध्रुवीकरण के मुहाने पर खड़ा कर दिया है। इन लड़ाइयों में टैंकों की गड़गड़ाहट के बीच जो आवाज दब जाती है, वह है—एक मासूम बच्चे की चीख और एक बेबस माँ की कराह। युद्ध की सबसे बड़ी कीमत वे लोग चुकाते हैं जिनका राजनीति या सत्ता की लालसा से कोई लेना-देना नहीं होता। यूक्रेन के कीव से लेकर गाजा की गलियों और ईरान के गांव तक तक, हजारों औरतें और बच्चे मौत की नींद सो चुके हैं। जो उम्र खिलौनों से खेलने की थी, उस उम्र में बच्चे बमों के धमाकों को पहचानना सीख रहे हैं। हजारों बच्चे अनाथ हो चुके हैं और लाखों का भविष्य मलबे के नीचे दब गया है। युद्ध के दौरान महिलाओं को न केवल विस्थापन का दंश झेलना पड़ता है, बल्कि वे शारीरिक और मानसिक हिंसा का सबसे आसान लक्ष्य बनती हैं।

युद्ध केवल इंसान को नहीं मारता, वह सदियों से बनी-बनाई सभ्यताओं और बुनियादी ढांचे को भी नष्ट कर देता है। स्कूलों, अस्पतालों और रिहायशी इमारतों पर गिरते बम यह दशार्ते हैं कि आधुनिक समाज कितना ₹असंवेदनशील₹ हो चुका है। जब एक अस्पताल पर मिसाइल गिरती है, तो वह केवल ईंट-पत्थर की इमारत नहीं ढहती, बल्कि इंसानियत की आखिरी उम्मीद भी टूट जाती है। इन लड़ाइयों का असर केवल युद्ध क्षेत्र तक सीमित नहीं है। रूस-यूक्रेन संघर्ष ने दुनिया भर में अनाज की आपूर्ति श्रृंखला को तोड़ दिया। इससे गरीब देशों में भुखमरी का खतरा बढ़ गया। ईंधन की बढ़ती कीमतें और खाद्य पदार्थों की कमी ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है। जो खरबों डॉलर शिक्षा, स्वास्थ्य और जलवायु परिवर्तन से लड़ने में खर्च होने चाहिए थे, वे आज आधुनिक हथियार और मिसाइलें बनाने में झोंके जा रहे हैं।

युद्ध का एक और खामोश शिकार हमारा पर्यावरण है। हजारों टन गोला-बारूद का इस्तेमाल वायुमंडल को जहरीला बना रहा है। जंगलों की आग, समुद्री प्रदूषण और जमीन में धंसे बारूदी सुरंग आने वाली कई पीढ़ियों के लिए मौत का जाल बिछा रहे हैं। हम जिस धरती को बचाने की कसमें खाते हैं, उसी को युद्ध की आग में झोंक रहे हैं। संसाधनों को बरबाद कर रहे हैं। जब हम टीवी पर बमबारी के दृश्य देखते हैं और उन्हें केवल एक ₹न्यूज अपडेट₹ की तरह छोड़ देते हैं, तो समझ लीजिए कि हमारे भीतर की इंसानियत मर चुकी है। युद्ध हमें क्रूर बना देता है। हम मौतों को केवल 'आंकड़ों' में गिनने लगते हैं। घृणा का यह बीज जो आज बोया जा रहा है, वह भविष्य में और अधिक कट्टरपंथ और आतंकवाद को जन्म देगा।

अमेरिका आज दुनिया का सबसे बड़ा तानाशाह बन गया है। उसने इराक पर यह कह कर हमला किया था कि उसके पास कैमिकल और अन्य घातक शस्त्र है। इराक हार गया। सद्दाम हुसैन पकड़े ही नही गए, उन्हें फांसी हो गई, किंतु अमेरिका इराक से कुछ भी बरामद नही कर पाया। उसका सब झूंठा प्रचार रहा। अब ईरान पर यह कह कर इजरायल और अमेरिका ने हमला किया कि वह परमाणु बम बनाने के नजदीक है। उसकी इस शक्ति को खत्म करना है। हमले जारी है। इस दौरान अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने मीडिया से बात करते हुए अपने मन की बात कह दी कि उसे ईरान के तेल पर कब्जा करना है। तीन जनवरी 2026 को अमेरिकी सेना ने एक सैन्य ऑपरेशन के दौरान वेनेजुयला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को उनके देश (कराकस) से गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई नार्को-आतंकवाद और मादक पदार्थों की तस्करी के आरोपों के बाद की गई। इसके बाद उन्हें न्यूयॉर्क लाया गया। बहाना मादक पदार्थो की तस्करी रोकना था किंतु अब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप कह रहे हैं कि वेनेजुयला का तेल वे बेचेंगे। उनकी मर्जी से बिकेगा। इस सब का मतलब साफ है कि दुनिया के संसाधनों पर अमेरिका की नजर है। वह किसी ने किसी बहाने उन पर कब्जा करना चाहता है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का एक बड़ा बयान सामने आया। ट्रंप ने कहा है कि अगर थोड़ा और समय मिला तो अमेरिका होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोल सकता है और वहां से तेल लेकर बड़ा मुनाफा कमा सकता है। उनके इस बयान ने पहले से चल रहे संघर्ष को और संवेदनशील बना दिया है।

फिलहाल ईरान ने इस अहम समुद्री रास्ते को बंद कर दिया है। इस कारण दुनिया भर में तेल की सप्लाई प्रभावित हुई है और कीमतों में तेजी देखी जा रहीयह संघर्ष अब सिर्फ ईरान तक सीमित नहीं रहा है। अमेरिका और इस्राइल ने ईरान और लेबनान में कई ठिकानों पर हमले किए हैं। इसके जवाब में ईरान ने भी कई खाड़ी देशें पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं। हाल के दिनों में हमलों की संख्या कुछ कम हुई है, लेकिन पूरी तरह रुकी नहीं है।

ईरान के खिलाफ कार्रवाई में शामिल होने से इन्कार करने वाले ब्रिटेन जैसे वह देश होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने की वजह से जेट ईंधन नहीं पा रहे हैं। उनके लिए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का सुझाव हैः पहला- अमेरिका से तेल खरीदो, हमारे पास बहुत है। दूसरा- हिम्मत जुटाओ, जलडमरूमध्य पर जाओ और उसे अपने कब्जे में ले लो।

अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के पूर्व महानिदेशक मोहम्मद अल बारदेई ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के खिलाफ 48 घंटे का अल्टीमेटम जारी करने के बाद खाड़ी देशों से हस्तक्षेप करने की तत्काल अपील की है। पूर्व आईएईए प्रमुख ने विनाशकारी सैन्य टकराव की संभावना का जिक्र किया। बारदेई ने एक्स पर एक पोस्ट में पड़ोसी खाड़ी देशों को संबोधित करते हुए कहा, ₹कृपया, एक बार फिर अपनी पूरी ताकत झोंक दें, इससे पहले कि यह पागल शख्स इलाके को आग का गोला बना दे।₹ मोहम्मद अल बारदेई ने अपनी गुहार को वैश्विक मंच तक पहुंचाते हुए युद्ध को रोकने में अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों की भूमिका पर भी सवाल उठाया। संयुक्त राष्ट्र के साथ रूस-चीन-फ्रांस को संबोधित एक अलग पोस्ट में उन्होंने पूछा कि क्या इस पागलपन को रोकने के लिए कुछ भी नहीं किया जा सकता है?

युद्ध किसी समस्या का स्थायी हल नहीं है। इतिहास ने बार-बार सिखाया है कि युद्ध के मैदान में कभी कोई नहीं जीतता, बस जो कम हारता है वह खुद को विजेता घोषित कर देता है। रूस, यूक्रेन, इजराइल, ईरान या अमेरिका—शक्ति का प्रदर्शन किसी को महान नहीं बनाता। महानता इस बात में है कि हम आने वाली पीढ़ी को एक ऐसी दुनिया दें जहाँ बारूद की गंध नहीं, बल्कि भाईचारे की मिठास हो। एक बार और अमेरिका वियतनाम और अफगानिस्तान में जाकर अपना अंजाम देख चुका है। बाद में बहुत कुछ गंवाकर वहां से भाग आया। ये ईरान है। यहां के गांव वाले, युवाओं और बच्चों ने भी अब शस्त्रों से दोस्ती कर ली है। हथियार संभाल लिए है। अमेरिका के दो हेलिकॉप्टर को मार गिराने वाला एक मामूली गडरिया है। इस गडरिए को तो युद्ध कला भी नही आती। सिर्फ इतना जानता है कि ये हेलिकॉप्टर हमलावर अमेरिका के है। जिस देश की जनता इतनी जुझारू और लड़ाका हो, जिसके गडरिये अमेरिका जैसे देश के दो-दो आधुनिकतम हेलिकॉप्टर गिरा दें, उसे हराना संभव नहीं।

आज दुनिया के शक्तिशाली राष्ट्रों को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। उन्हें युद्ध के उन्माद को रोकना होगा। नहीं रोका, तो वह दिन दूर नहीं जब 'इंसान' तो बचेगा, लेकिन उसके भीतर की 'इंसानियत' पूरी तरह दफन हो चुकी होगी। हमें यह समझना होगा कि धरती पर सरहदें हमने खींची हैं, कुदरत ने नहीं। शांति की मेज पर बैठकर बात करना कमजोरी नहीं, बल्कि सबसे बड़ी बहादुरी है। वक्त आ गया है कि हम ₹हथियारों की होड़₹ को छोड़कर ₹मानवता की जोड़₹ पर ध्यान दें। वरना इतिहास हमें उन लोगों के रूप में याद रखेगा, जिनके पास सब कुछ था, बस एक-दूसरे के लिए दया और प्रेम नहीं था।

## संपादकीय

### नाजुक युद्धविराम

तमाम किंतु-परंतुओं के बावजूद अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के युद्धविराम की घोषणा से दुनिया को उस युद्ध से राहत मिली है, जिसने संघर्षरत पक्षों के अलावा पूरी दुनिया के लोगों के जीवन यापन को गहरे तक प्रभावित किया। निस्संदेह इस युद्ध ने पश्चिम एशिया के रणनीतिक परिदृश्य को पूरी तरह से बदलने के साथ ही वैश्विक कूटनीति पर असर डाला है। एक माह से अधिक समय तक चले इस युद्ध में विनाशकारी हवाई हमलों, होर्मुज जलडमरूमध्य की प्रभावी नाकाबंदी और सभ्यता के विनाश के खतरों के बाद अब एक अस्थायी विराम ने पूरी दुनिया को राहत दी है। युद्ध भले ही अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच लड़ा जा रहा था, लेकिन इसने दुनिया के तमाम देशों के नागरिकों, वैश्विक बाजारों और ऊर्जा पर निर्भर अर्थव्यवस्थाओं को गहरे तक प्रभावित किया। उनके लिये अस्थायी युद्ध विराम होना निस्संदेह राहतकारी खबर है। लेकिन इसके बावजूद हकीकत यह है कि इस नाजुक शांति के पीछे कई चिंताजनक सच्चाइयां छिपी हैं। यह सर्वविदित है कि जिन उद्देश्यों को लेकर अमेरिका-इस्राइल ने यह युद्ध शुरू किया था, वे कहीं से पूरे होते नजर नहीं आते। वह बात अलग है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बार-बार लक्ष्य पूरे होने की दलील देते रहते हैं। वहीं ईरान भी युद्ध विराम को अपनी सफलता के रूप में दर्शा रहा है। दरअसल, डोनाल्ड ट्रंप इस युद्धविराम को अमेरिकी सैन्य प्रभुत्व के प्रमाण और ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को खत्म करने के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर ईरान इसे अपनी एक रणनीतिक जीत बताता है। उसकी दलील है कि उसने दुनिया की सुपरपॉवर अमेरिका व आक्रामक इस्राइल की सेनाओं के हमलों का अकेले ही मुकाबला किया और वैश्विक तेल आपूर्ति पर अपने प्रभाव को प्रदर्शित किया है। ऐसे में कूटनीति के जानकार आशंका जता रहे हैं कि ये परस्पर विरोधी बयानबाजी स्थायी शांति की दिशा में एक कारगर कदम नहीं, बल्कि महज रणनीति में बदलाव का संकेत है।

## चिंतन-मनन

### निराशा से होती है हार

नियति प्रम के निरंतर उल्लंघन से प्रकृति का अदृश्य वातावरण भी इन दिनों कम दूषित नहीं हो रहा है। भूकम्प, तूफान, बाढ़, विद्रोह, अपराध, महामारियां आदि पर नियंत्रण पाना कैसे संभव होगा, समझ नहीं आता। किंकर्त्तव्यविमूढ़ स्थिति में पहुंचा हतप्रभ व्यक्ति प्रमशः अधिक निराश होता है। इतना साहस और पराक्रम तो विरलों में होता है, जो आंधी, तूफानों के बीच भी आशा का दीपक जलाए रह सकें, गतिशीलता में कमी न आने दें। ऐसे व्यक्तियों को महामानव-देवदूत कहा जाता है पर वे यदाकदा ही प्रकट होते हैं। आज जनसाधारण का मानस ऐसे ही दलदल में फंसा है। होना तो चाहिए था कि अनौचित्य के स्थान पर औचित्य को प्रतिष्ठत करने के लिए साहसिक पुरुषार्थ जगता पर लोक मानस में उस स्तर का उच्च स्तरीय उत्साह नहीं उभर रहा है। इन परिस्थितियों में साधारण जनमानस का निराश होना स्वाभाविक है। समझ लेना चाहिए कि निराशा हल्के दर्जे की बीमारी नहीं है, वह जहां भी जड़ जमाती है, घुन की तरह मजबूत शहतीर को भी खोखला करती जाती है। निराशा अपने साथ हार जैसे मान्यता संजोए रहती है। इतने दबावों से दबा आदमी स्वयं तो टूटता ही है, साथियों को भी तोड़ता है। इससे शक्ति का अपहरण होता है, जीवनी शक्ति जबाव दे जाती है। तनाव बढ़ते जाने से उद्विग्नता बनी रहती है और ऐसे रचनात्मक उपाय नहीं दिखते, जिनके सहारे तेज बहाव वाली नाव खेकर पार पाया जाता है। निराश व्यक्ति जीत की संभावना नकारने के कारण जीती बाजी हारते हैं। निराशा न किसी गिरे को ऊंचा उठने देती है और न प्रगति की किसी योजना को क्रियान्वित होने देती है। अस्तु, निराशा को छोटी बात न मानकर उसके निराकरण का हर क्षेत्र में प्रयत्न होता रहे। जहां भी निराशा का माहौल हो, उसके निराकरण का हर संभव उपाय करना चाहिए। इसका उपचार यही है कि प्रतिरोध में समर्थ चिंतन और पुरुषार्थ के लिए जन-जन की विचारशक्ति को उत्तेजित किया जाए। उज्ज्वल भविष्य की संभावनाओं पर ध्यान देने और उन्हें समर्थ बनाने के लिए जिस मनोवृत्ति को उत्साहपूर्ण प्रश्रय मिलना चाहिए, उसके लिए आवश्यक पृष्ठभूमि तैयार की जाए।

**आवश्यकता है**

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

# होम्योपैथी: मीठी गोलियों में छिपा आरोग्य का महासागर

दिलीप कुमार पाठक

आज के दौर में जब हम सुबह उठते हैं, तो हमारा सामना प्रदूषण, मिलावट और तनाव से होता है। ऐसे में बीमारियां हमारे जीवन का हिस्सा बन गई हैं। आज दुनिया में चिकित्सा की कई पद्धतियां हैं, लेकिन डब्ल्यूएचओ के कुछ आंकड़े हमें चौंकाते हैं। आंकड़ों के मुताबिक, होम्योपैथी आज दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी चिकित्सा पद्धति बन चुकी है। पूरी दुनिया में इसकी लोकप्रियता हर साल करीब 20 प्रतिशत की रफ्तार से बढ़ रही है। अकेले हमारे देश भारत की बात करें, तो यहाँ लगभग 10 करोड़ से ज्यादा लोग अपनी छोटी-बड़ी बीमारियों के लिए पूरी तरह होम्योपैथी पर भरोसा करते हैं। यह भरोसा यूँ ही नहीं बना है, इसके पीछे इस पद्धति की सादगी और बिना किसी नुकसान के ठीक करने की ताकत छिपी है। अक्सर शरीर के अनजाने रोगों के लिए लोग सालों-साल इलाज कराते हैं। लाखों रुपए अस्पतालों और जांचों में खर्च कर देते हैं परिणाम के नाम सिर्फ चंद घंटों की राहत मिलती है। ऐसे में होम्योपैथी सस्ता और पक्का विकल्प बनकर सामने आती है। आयुष मंत्रालय की मानें तो होम्योपैथी का इलाज अन्य पद्धतियों के मुकाबले काफी किफायती है, जो भारत के हर आम और गरीब आदमी की पहुँच में है। लेकिन इसका सस्ता होना इसकी कमजोरी नहीं, बल्कि इसकी खूबी है। यह शरीर को रसायनों की भट्टी बनाने के बजाय उसे अंदर से मजबूत बनाने का काम करती है।

होम्योपैथी के बारे में एक बात बहुत मशहूर है कि यह असर दिखाने में बहुत वक्त लेती है। लोग अक्सर कहते हैं कि यह बहुत धीमी है। लेकिन हकीकत यह है कि यह धीमी नहीं बल्कि गहरी है। जब कोई बीमारी पुरानी हो जाती है, तो वह शरीर की जड़ों में बैठ जाती है। उस जड़ तक पहुँचने में दवा को थोड़ा समय तो लगता ही है। कई बार ऐसा देखा गया है कि इलाज शुरू करने के पहले पंद्रह दिनों तक मरीज को कोई खास फर्क महसूस नहीं होता। मरीज को लगता है कि शायद ये गोलियां काम नहीं कर रही हैं। लेकिन असल में वह पंद्रह दिन का समय शरीर के अंदर की सफाई और मरम्मत का होता है। जैसे ही वह आधार तैयार होता है, पंद्रह दिन बाद अचानक बीमारी ऐसे गायब होने लगती है जैसे कभी थी ही नहीं। आजकल एंटीबायोटिक दवाओं का असर कम होना एक बड़ी वैश्विक चिंता बन गया है। ऐसे में होम्योपैथी एक सुरक्षा कवच की तरह काम करती है। नेशनल सैंपल सर्वे के आंकड़े बताते हैं कि भारत में लगभग 30 प्रतिशत लोग अब पुरानी बीमारियों के लिए सबसे पहले होम्योपैथी का चुनाव कर रहे हैं। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि इन दवाओं का लीवर, किडनी या पेट पर कोई बुरा असर नहीं पड़ता। यही वजह है कि आज कई बड़े एलोपैथी डॉक्टर भी दबी जुबान में मानने लगे हैं कि जहाँ आधुनिक विज्ञान की सीमाएं खत्म होती हैं, वहाँ होम्योपैथी का अनुभव और असर कमाल कर जाता है।

प्रतिवर्ष 10 अप्रैल को मनाया जाने वाला विश्व होम्योपैथी दिवस दरअसल इस पद्धति के जनक डॉ. सैमुअल हैनीमैन के प्रति आभार व्यक्त करने का दिन है। उन्होंने दुनिया को सिखाया कि मरीज का इलाज करते समय केवल उसके अंगों को नहीं, बल्कि उसके पूरे व्यक्तित्व को देखना चाहिए। होम्योपैथी में दवा देते समय डॉक्टर केवल आपकी बीमारी नहीं पूछते, बल्कि आपकी पसंद-नापसंद और आपके स्वभाव को भी समझते है। क्योंकि विज्ञान मानता है कि हर इंसान की बनावट और उसकी तकलीफ अलग होती है, इसलिए उसका इलाज भी अलग और विशेष होना चाहिए। भारत में अब 2 लाख से ज्यादा रजिस्टर्ड होम्योपैथी डॉक्टर दिन-रात लोगों की सेवा में जुटे हैं। सरकार ने भी इसे नेशनल हेल्थ मिशन का हिस्सा बनाकर इसकी ताकत को पहचाना है। यह पद्धति हमें सिखाती है कि स्वास्थ्य कोई ऐसी चीज नहीं जिसे आप दुकान से खरीद लें, यह तो एक संतुलन है जो कुदरत के करीब रहने से मिलता है। आज के महंगाई के दौर में, जब एक मामूली बीमारी भी घर का बजट बिगाड़ देती है, तब होम्योपैथी एक राहत भरी सांस की तरह लगती है। यह न केवल शरीर को ठीक करती है, बल्कि मरीज के मन से उस बीमारी का डर भी निकाल देती है। अंत में, बस इतना ही कहना काफी होगा कि आरोग्य का रास्ता हमेशा कड़वा या महंगा हो, यह जरूरी नहीं है। कभी-कभी मीठी गोलियों का छोटा सा सफर भी बड़े-बड़े रोगों को मात दे सकता है। जरूरत है तो बस थोड़े से धैर्य की और अपनी कुदरती ताकत पर विश्वास रखने की। यदि हम होम्योपैथी को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाएं, तो हम न केवल बीमारियों से बचेंगे बल्कि एक खुशहाल और दुष्प्रभाव मुक्त जीवन जी पाएंगे।

# महिला आरक्षण से कानून-निर्माण में भागीदारी - लोकतंत्र का शुभसंदेश

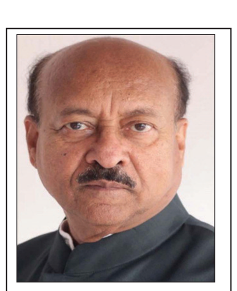

ब्रजमोहन श्रीवास्तव

स्वतंत्र भारत के 75 वर्षों के इतिहास में महिलाओं ने समाज, परिवार, अर्थव्यवस्था और राष्ट्र-निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। सेना, प्रशासन, चिकित्सा, कानून, शिक्षा, व्यवसाय और शोध सहित अनेक क्षेत्रों में उन्होंने अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई है लेकिन राष्ट्रीय कानून निर्माण में उनकी भागीदारी नगण्य रही है। वे मतदाता थीं, कार्यकर्ता थीं, समाज की धुरी थीं, उन्हें विधानसभा और लोकसभा में अवसर तो मिले, परंतु उनका प्रतिनिधित्व सुनिश्चित नहीं था। दशकों तक कानून-निर्माण के मंच पर उनकी उपस्थिति राजनैतिक परिस्थितियों और दलों की प्राथमिकताओं व नेताओं की मेहरबानी पर निर्भर रही।

तीन दशकों से अधिक समय के लंबे इंतजार के बाद अब यह स्थिति निर्णायक रूप से बदलने जा रही है। यह परिवर्तन एक दिन में नहीं आया बल्कि महिलाओं द्वारा परिणाम की चिंता किये वगैर निरंतर प्रयासों और हर क्षेत्र में अपनी प्रभावी भूमिका की छाप छोड़ने का परिणाम है। महिला आरक्षण संविधान-106वां संशोधन अधिनियम, 2023 के पारित होने के साथ भारत ने यह स्पष्ट संदेश दिया है कि महिलाओं का नेतृत्व अब केवल सहायक भूमिका तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वे राष्ट्र के नीति-निर्माण व कानून बनाने में बराबरी से भागीदार होंगी ।

यह ऐतिहासिक निर्णय एनडीए सरकार के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और महिलाओं के सशक्तिकरण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का सशक्त प्रमाण है। श्री मोदीजी का मानना है कि आरक्षण देने में पहले ही बहुत देरी हो चुकी है इसलिए इसे अब और नहीं टाल सकते । हालांकि, इस संशोधन का क्रियान्वयन आगामी जनगणना और परिसीमन से जुड़ा है इसलिए यह 2029 के आम चुनावों में भी लागू हो सकता है।

महिलाओं के राजनैतिक अधिकारों की यात्रा के यहाँ तक पहुँचने में लगभग तीस वर्ष लगे है। 1992-93 में 73वें और 74वें संविधान संशोधनों के माध्यम से पंचायतों और नगरीय निकायों में 33% आरक्षण लागू किया गया, जिससे महिलाओं की भागीदारी का मार्ग कानूनी रूप से प्रशस्त हुआ। इसके बाद कई राज्यों ने इसे 50% तक बढ़ाया। आज देश के 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में स्थानीय निकायों में 50% महिला आरक्षण लागू है फलस्वरूप आज महिलाएँ अध्यक्ष, महापौर तथा पार्षद या नगर सेवक के लगभग एक लाख पदों पर प्रभावी नेतृत्व दे रही हैं।

पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी ने प्रशासनिक पारदर्शिता, सामाजिक न्याय और विकास को नई दिशा दी है। वर्तमान में लगभग साढ़े चौदह लाख से अधिक महिलाएँ ग्रामीण शासन में जिला पंचायत अध्यक्ष, सरपंच व पंच के निर्वाचित पदों पर कार्यरत हैं, जो इस बात का प्रमाण है कि अवसर मिलने पर महिलाएँ उत्कृष्ट नेतृत्व दे सकती हैं।

कॉर्पोरेट क्षेत्र में भी महिलाओं ने अपनी क्षमता सिद्ध की है। सेबी द्वारा 2013 में बनाए गए नियमों के तहत 2015 से सभी सूचीबद्ध कंपनियों में कम से कम एक महिला निदेशक की नियुक्ति अनिवार्य की गई। आज देश की 1000 शीर्ष कंपनियों में महिला नेतृत्व एक अनिवार्य और प्रभावी घटक बन चुका है।

यह स्पष्ट है कि पिछले 30 वर्षों में महिलाओं का नेतृत्व क्रमिक रूप से विकसित हुआ है। इसी क्रमिक मजबूत आधार के कारण 2023 में महिला आरक्षण विधेयक पारित करना पड़ा, जिससे लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 33% महिला आरक्षण का मार्ग प्रशस्त हुआ है । यह केवल एक कानून नहीं, बल्कि भारत के लोकतांत्रिक ढांचे को और अधिक समावेशी और न्यायपूर्ण बनाने का संकल्प है जिससे कुल आबादी का 50 प्रतिशत जो अभी तक मतदान तक सीमित था आने वाले समय में कानून निमार्ता की श्रेणी में आ जाएगा।

दुर्भाग्यवश, आज भी कुछ राजनीतिक दल और विपक्षी नेता इस ऐतिहासिक निर्णय को संदेह की दृष्टि से देखते हुए भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। लेकिन यह स्पष्ट है कि महिलाओं को बराबरी का अधिकार देना किसी राजनैतिक लाभ का विषय नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने का नैतिक दायित्व है जिसे पूरा करने के लिये एनडीए सरकार, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी के नेतृत्व में इस दिशा में पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ रही है फिर विपक्ष चाहे कैसी भी पैंतरेबाजी करें ।

पिछले वर्षों में अधिकांश नीतियाँ पुरुष-प्रधान दृष्टिकोण से बनीं, उदाहरणार्थ, जैसे सार्वजनिक स्थलों पर बुनियादी आवश्यकताओं के लिये निर्माण की अनदेखी हुई। स्थानीय निकायों में महिलाओं के प्रतिनिधित्व ने इस असंतुलन को दूर करने की दिशा में महत्वपूर्ण बदलाव किया क्योंकि यह उनकी भी जरूरत से जुड़ा था। यह परिवर्तन इस बात का प्रमाण है कि जब नीति-निर्माण में महिलाओं की भागीदारी बढ़ती है, तो निर्णय अधिक संवेदनशील, समावेशी और व्यावहारिक होते हैं जिसमें सारी जनता की जरूरतों का समावेश होता है। महिला आरक्षण कानून की आलोचना करने वालों को इसे संकीर्ण राजनैतिक दृष्टिकोण से नहीं देखना चाहिए क्योंकि यह भारत के लोकतंत्र को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में उठाया गया ऐतिहासिक कदम है। आँकड़े बताते हैं कि जब महिलाएँ बराबरी से भागीदारी करती हैं, तो शासन अधिक प्रभावी, नीतियाँ अधिक संतुलित और समाज अधिक सशक्त बनता है।

आज महिलाएँ केवल सामाजिक क्षेत्र तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उद्योग, वित्त, तकनीक और प्रशासन के हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने सिद्ध किया है कि वे सक्षम प्रशासक, दूरदर्शी नेतृत्वकर्ता और संवेदनशील निर्णयकर्ता हैं। ऐसे में यह स्वाभाविक है कि वे उत्कृष्ट कानून-निमार्ता भी बनेंगी।

देश की महिलाओं ने हर स्तर पर अपनी क्षमता सिद्ध की है। अब समय आ गया है कि उन्हें राष्ट्र के भविष्य को आकार देने में समान अवसर दिया जाए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लिया गया यह निर्णय केवल एक कानून नहीं, बल्कि नारी शक्ति को राष्ट्र निर्माण के केंद्र में स्थापित करने की ऐतिहासिक पहल है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने श्रीमती सुनेत्रा पवार को पहले महाराष्ट्र का उप मुख्यमंत्री और फिर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित कर अपनी प्रतिबद्धता को सिद्ध कर दिया है। वह दिन दूर नहीं जब राज्यों में हम बड़ी संख्या में महिला मुख्यमंत्रियों को सरकार चलाते हुए देखेंगे ।

(पूर्व राष्ट्रीय महासचिव व प्रमुख राष्ट्रीय प्रवक्ता, राकांपा है)

# कृषि फार्म काला खेड़ा पर मनाया गया किसान दिवस

अमरोहा (सब का सपना):- गुरुवार को जोया ब्लॉक के गांव कालाखेड़ा राजकीय कृषि बीज संवर्धन फार्म पर इफको द्वारा किसान दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर इफको क्षेत्राधिकारी अमरोहा प्रवीन सिंह, इफको उप महाप्रबंधक ब्रजवीर सिंह, कृषि उप निदेशक डॉ रामप्रवेश यादव और इफको एम सी से प्रेम सिंह ने भाग लिया। इफको क्षेत्राधिकारी प्रवीन ने गन्ना किसानों को नैनो उर्वरकों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नैनो यूरिया, नैनो डीएपी, सागरिका, नैनो जिंक और नैनो कॉपर जैसे उत्पादों का प्रयोग करने से फसल की उत्पादकता बढ़ सकती है। उन्होंने गन्ने की फसल के लिए नैनो डीएपी का प्रयोग करने की सलाह दी। कृषि उप निदेशक डॉ रामप्रवेश यादव ने कृषि विभाग की योजनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने किसानों से जैविक खेती और रासायनिक उर्वरकों का संतुलित मात्रा में प्रयोग करने का आग्रह किया। इफको एम सी से प्रेम सिंह ने इफको के उत्पादों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इफको के उत्पाद सस्ते और प्रभावी हैं। फार्म अधीक्षक जितिन चौधरी ने गेहूं की फसल पर लगाए गए डेमो के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नैनो डीएपी और नैनो यूरिया के प्रयोग से अच्छी फसल ली जा सकती है। कार्यक्रम में इफको उपमहाप्रबंधक ब्रजवीर सिंह, कृषि उप निदेशक डॉ रामप्रवेश यादव, इफको क्षेत्राधिकारी अमरोहा प्रवीन सिंह, कृषि विज्ञान केंद्र गजरौला से डॉ सतपाल सिंह, इफको से अवधेश गोस्वामी, मोहित, दीपक और लगभग 80 किसान उपस्थित थे।

# नौगांवा क्षेत्र में 22 घंटे के सर्च ऑपरेशन के बाद तालाब से मिला 6 साल के मासूम का शव

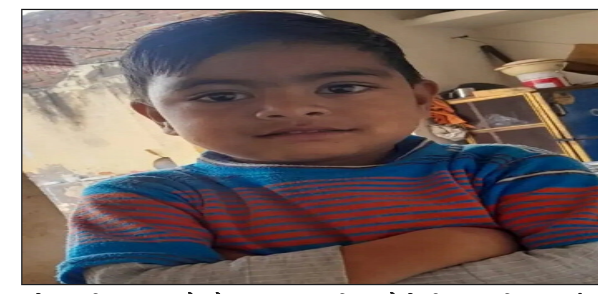

नौगांवा सादात/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के नौगांवा सादात क्षेत्र के एक गांव में बुधवार को लापता हुए एक 6 वर्षीय है मासूम का शव 22 घंटे के सर्च अभियान के बाद एक तालाब से बरामद किया गया। बताया जा रहा है कि 6 वर्षीय मासूम बुधवार को घर से साइकिल लेकर खेलने निकला था और संदीप परिस्थितियों में लापता हो गया था। इस मामले में पुलिस ने प्राप्त तहरीर के आधार पर त्वरित कार्यवाही करते हुए सर्च अभियान के तहत मासूम के शव को तालाब से बरामद किया है। बता दें कि बुधवार की शाम को थाना नौगावां सादात क्षेत्र से सूचना प्राप्त हुई कि आतिफ पुत्र जलालुद्दीन, उम्र लगभग 06 वर्ष, निवासी ग्राम बीलना थाना नौगावां सादात, घर के बाहर साइकिल चलाते समय लापता हो गया है। प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना नौगावां सादात पर घटना की संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया।सूचना प्राप्त होते ही स्थानीय पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची एवं सभी संभावित पहलुओं पर गहन जांच की गई। जांच के दौरान बच्चे की साइकिल तालाब किनारे मिली। वहां मौजूद अन्य बच्चों से पूछताछ करने पर जानकारी प्राप्त हुई कि एक बच्चा जो साइकिल चला रहा था, वह तालाब में गिर गया था। जिस पर स्थानीय पुलिस द्वारा बिना देरी किए त्वरित कार्यवाही प्रारम्भ की गई। प्रारंभिक स्तर पर गोताखोरों की सहायता से तालाब में खोजबीन कराई गई। तत्पश्चात घटना की गंभीरता को देखते हुए एसडीआरएफ टीम को मौके पर बुलाया गया, जिनके द्वारा सघन तलाशी अभियान चलाया गया। साथ ही तालाब का जल स्तर कम करने हेतु टैंकरों की व्यवस्था कर पानी निकलवाने की कार्यवाही भी की गई।

# धनौरा में गेहूं की फसल की ग्रेस एप से कराई क्रोप कटिंग

## एसडीएम ने खेत में पहुंचकर डिजिटल तकनीक से किया उपज का आकलन

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा में गुरुवार को कृषि एवं राजस्व विभाग द्वारा क्षेत्र के गांव लिसड़ी में गेहूं की फसल का सस्य कटाई प्रयोग (क्रॉप कटिंग) कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान एसडीएम विभा श्रीवास्तव ने मौके पर पहुंचकर कटाई कार्य का निरीक्षण किया और डिजिटल तकनीक से उपज का आकलन किया। बता दें कि निरीक्षण के दौरान एसडीएम विभा श्रीवास्तव ने बताया कि शासन के निदेर्शानुसार इस बार ग्रेस (GCES - General Crop Estimation Survey) एप के माध्यम से गेहूं की क्रॉप कटिंग कराई जा रही है। इस डिजिटल तकनीक का मुख्य उद्देश्य फसल की पैदावार के आंकड़ों को पूरी पारदर्शिता और सटीकता के साथ दर्ज करना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इन आंकड़ों के आधार पर ही जिले और ब्लॉक स्तर पर औसत उपज का निर्धारण होता है, जो भविष्य में कृषि नीतियों और फसल बीमा के दावों के निपटान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।ग्राम लिसड़ी में एक निश्चित रकबे को चिन्हित कर गेहूं की कटाई की गई, जिसके बाद उसकी मड़ाई कर वजन किया गया। एसडीएम ने लेखपालों को निर्देश दिए कि वे क्रॉप कटिंग की प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें और वास्तविक आंकड़ों को ही पोर्टल पर अपलोड करें। उन्होंने किसानों से भी संवाद किया और उनसे खेती में आने वाली समस्याओं व सरकारी योजनाओं के लाभ के बारे में जानकारी ली।इस अवसर पर कानूनगो जबर सिंह, लेखपाल लक्ष्मण सिंह टोलियां और तारकेश राणा, तथा चंद्रशेखर सैनी सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे। एसडीएम विभा श्रीवास्तव ने बताया कि तहसील क्षेत्र के विभिन्न गांवों में इसी प्रकार रैंडम आधार पर खेतों का चयन कर क्रॉप कटिंग की जा रही है, ताकि क्षेत्र की कृषि उत्पादकता का सही खाका तैयार किया जा सके। एसडीएम के इस औचक निरीक्षण से राजस्व कर्मियों और किसानों में सक्रियता देखी गई।

# जनपद में उर्वरक कालाबाजारी पर सख्ती: 49 यूरिया बैग्स जब्त, एफआईआर दर्ज

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के निर्देश पर जनपद में उर्वरक की जमाखोरी और कालाबाजारी को रोकने के लिए सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के दौरान तहसील हसनपुर के गांव खूँगावली थाना गजरौला में एक दुकान पर बिना किसी आवश्यक अभिलेख के 49 यूरिया बैग्स अवैध रूप से रखे हुए पाए गए। जिला कृषि अधिकारी मनोज कुमार, नायब तहसीलदार और थाना गजरौला की पुलिस टीम ने संयुक्त छापेमारी कर उक्त यूरिया बैग्स को सील कर दिया। उर्वरक के नमूने राजकीय प्रयोगशाला भेजे गए हैं और मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। जिलाधिकारी ने किसानों से अपील की है कि वे अपनी जोत (भूमि) और फसल की संस्तुति के आधार पर ही उर्वरक खरीदें। अनावश्यक भंडारण न करें और जितनी वर्तमान जरूरत हो, उतना ही उर्वरक खरीदें। जल्दबाजी में ज्यादा उर्वरक न लें। चौपाल के माध्यम से भी किसान भाइयों को जागरूक किया जा रहा है। एक हेक्टेयर जमीन पर पूरे खरीफ सीजन के लिए अधिकतम 7 बैग यूरिया और 5 बैग फास्फेटिक उर्वरक ही लिया जा सकता है। तहसील नौगांवा सादात में उपजिलाधिकारी, उप कृषि निदेशक, जिला कृषि अधिकारी अमरोहा, सहायक निबंधक सहकारिता और तहसीलदार द्वारा संबंधित अधिकारियों की बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।उर्वरक के आवागमन पर सतर्क निगरानी रखी जा रही है। ई-रिक्शा और ट्रकों का भी टीमों द्वारा निरीक्षण किया जा रहा है। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने बताया कि तहसील, विकास खंड और न्याय पंचायत स्तर पर उर्वरक निगरानी समितियां गठित कर दी गई हैं।

किसानों को उनकी जोत के अनुसार ही उर्वरक उपलब्ध कराया जाने के निर्देश दिए गए हैं। स्पष्ट किया कि जनपद में सघन चेकिंग अभियान लगातार जारी रहेगा और उर्वरक का उचित वितरण सुनिश्चित किया जाएगा। सहकारी समितियों, गन्ना समितियों और निजी विक्रेताओं को निर्देश दिए गए हैं कि वे नियमानुसार ही उर्वरक का विक्रय करें। किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

# एनआईसी में अधिकारियों को दिया गया जनगणना का विशेष प्रशिक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- प्रमुख जनगणना अधिकारी व जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के निर्देशों के क्रम में आज कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी सभागार में आगामी 'जनगणना' (Ce»»fsus) को लेकर एक महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई।कार्यशाला में मुख्य प्रशिक्षक के रूप में जिला सूचना-विज्ञान अधिकारी सात्विक शुक्ला, अपर जिला सूचना-विज्ञान अधिकारी प्रांजल सरकारी, मास्टर ट्रेनर के रूप में अलोक कुमार (प्रवक्ता कंप्यूटर) एवं अमल यादव (प्रवक्ता कंप्यूटर) ने अपनी अहम भूमिका निभाई। एनआईसी की टीम द्वारा जिले के समस्त उपजिलाधिकारियों/ उप जनगणना अधिकारियों, समस्त चार्ज अधिकारियों, तहसीलदारों और अधिशासी अधिकारियों को जनगणना के डिजिटल चरणों, मोबाइल ऐप के माध्यम से डेटा संकलन और पोर्टल पर जानकारी फीड करने की बारीकियों को भी विस्तार से समझाया गया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी अधिकारी इस महत्वपूर्ण कार्य को तकनीकी रूप से शुद्ध और समयबद्ध तरीके से पूर्ण करें।

# डीएम की अध्यक्षता में आबकारी दुकानों की ई-लॉटरी सम्पन्न

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की आबकारी फुटकर दुकानों की द्वितीय चरण की ई-लॉटरी जिला स्तरीय चयन समिति के समक्ष जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में गांधी सभागार जनपद अमरोहा में सम्पन्न हुई। जिला स्तरीय चयन समिति में पुलिस अधीक्षक के प्रतिनिधि पुलिस क्षेत्राधिकारी नौगांवा सादात, आबकारी आयुक्त के नामित प्रतिनिधि सहायक आबकारी आयुक्त, प्रवर्तन-2 मुरादाबाद प्रभार मुरादाबाद एवं जिला आबकारी अधिकारी, अमरोहा उपस्थित रहे। ई-लाटरी के प्रथम चरण की अवशेष 02 दुकानों पर कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुआ तथा नवसृजित 08 दुकानों पर कुल 555 आवेदन प्राप्त हुए। द्वितीय चरण की ई-लाटरी की कुल-08 दुकानों के सफल आवेदको की सूची जिले की एन. आई.सी. वेबसाइट amroha.nic.inपर अपलोड की जा चुकी है। सफल आवेदक 03 कार्यदिवस में संचालन हेतु अपनी देयताएं / औपचारिकताएं कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी अमरोहा में आकर पूरी कर सकते है।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, जिला आबकारी अधिकारी आवेदक साहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

# डीएम निधि गुप्ता वत्स की स्मार्ट डिजिटल पहल, टास्क ऐप' और 'कोर्ट केस पोर्टल' से सुदृढ़ होगी प्रशासनिक निगरानी

अमरोहा (सब का सपना):- जिला प्रशासन की कार्यप्रणाली को और अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और गतिशील बनाने के लिए जिला सूचना-विज्ञान केंद्र (ठक्ळ) द्वारा दो नए डिजिटल समाधान तैयार किए गए हैं। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने 'टास्क मैनेजमेंट' मोबाइल ऐप और 'कोर्ट केस मॉनिटरिंग' वेबसाइट को प्रशासनिक स्तर पर लागू करने हेतु हरी झंडी दी है। मोबाइल ऐप के माध्यम से जिलाधिकारी अब सीधे फील्ड अधिकारियों को कार्य आवंटित कर सकेंगी, जिसकी प्रगति रिपोर्ट संबंधित अधिकारी अपनी लाइव लोकेशन के साथ रीयल-टाइम में भेज सकेंगे। वहीं, वेबसाइट के माध्यम से विभिन्न विभागों के अदालती मामलों की प्रभावी ट्रैकिंग की जाएगी, जिसमें सुनवाई की तारीख से पूर्व अधिकारियों को ऑटोमैटिक 'पॉप-अप' अलर्ट प्राप्त होगा। जिला सूचना-विज्ञान अधिकारी सात्विक शुक्ला और अपर जिला सूचना-विज्ञान अधिकारी प्रांजल सरकारी की तकनीकी विशेषज्ञता से विकसित ये टूल्स अमरोहा जिला प्रशासन को पूरी तरह 'पेपरलेस' और 'रिजल्ट-ओरिएंटेड' वर्किंग कल्चर की ओर ले जाने में मील का पत्थर साबित होंगे।

# अभ्युदय कोचिंग का कमाल, अमरोहा की सृष्टि ने UPPCS-2024 में गाड़े झंडे

अमरोहा (सब का सपना):- सपनों को अगर सही मार्गदर्शन और संसाधनों के पंख मिल जाएं, तो आर्थिक और सामाजिक चुनौतियां भी रास्ता नहीं रोक सकतीं। इसे सच कर दिखाया है अमरोहा की बेटी कुमारी सृष्टि ने। समाज कल्याण मंत्रालय द्वारा संचालित निःशुल्क कोचिंग और मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना का लाभ उठाकर सृष्टि ने उत्तर प्रदेश सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (UPPCS-2024) परीक्षा में शानदार सफलता हासिल की है। उनका चयन असिस्टेंट कमिश्नर (कमर्शियल टैक्स) के प्रतिष्ठित पद पर हुआ है। यह सफलता इस बात पर मुहर लगाती है कि प्रदेश के 75 जिलों में संचालित 166 प्रशिक्षण केंद्र कैसे गरीब और होनहार छात्र-छात्राओं के अधिकारी बनने के सपनों को हकीकत में बदल रहे हैं।

समाज कल्याण विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण के नेतृत्व में प्रदेश भर में परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केंद्र चलाए जा रहे हैं, ताकि संसाधनों के अभाव में किसी की प्रतिभा दम न तोड़े। मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना और विभाग की निःशुल्क कोचिंग के जरिये ऐसे युवाओं को समान अवसर दिए जा रहे हैं। कुमारी सृष्टि की यह उपलब्धि इस बात का सशक्त प्रमाण है कि यदि युवाओं को सही समय पर बेहतरीन संसाधन और सटीक मार्गदर्शन मिले, तो वे किसी भी बड़ी और कठिन प्रतियोगिता में खुद को साबित कर सकते हैं। लखनऊ के गोमती नगर स्थित भागीदारी भवन इन दिनों प्रशासनिक अधिकारियों की एक बड़ी नर्सरी बनकर उभरा है। भागीदारी भवन के संयुक्त निदेशक आनंद कुमार सिंह के मुताबिक, यहां अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के प्रतिभावान अभ्यर्थियों को आवासीय कोचिंग दी जाती है। इस कोचिंग सत्र के दौरान छात्र-छात्राओं को रहने के लिए हॉस्टल, शुद्ध भोजन और पढ़ाई के लिए शानदार लाइब्रेरी की सुविधा एकदम मुफ्त मुहैया कराई जाती है। यहां सिर्फ पढ़ाना ही नहीं, बल्कि अंतिम चयन तक पहुंचाने पर जोर है। इसके लिए विषय विशेषज्ञों द्वारा नियमित कक्षाएं ली जाती हैं और मुख्य परीक्षा पर खास फोकस करते हुए उत्तर लेखन (आंसर राइटिंग) का कड़ा अभ्यास व नियमित मॉडल टेस्ट करवाए जाते हैं। सिर्फ राजधानी में ही नहीं, बल्कि युवाओं के सपनों को उड़ान देने के लिए मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना का दायरा पूरे प्रदेश में फैला हुआ है।

वर्तमान में उत्तर प्रदेश के सभी 75 जनपदों में कुल 166 प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से यह योजना संचालित की जा रही है। इन केंद्रों पर न केवल यूपीएससी (UPSC) और यूपीपीएससी (UPPSC) जैसी प्रतिष्ठित प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी कराई जाती है, बल्कि इंजीनियरिंग और मेडिकल के लिए जेईई (खएए) व नीट (NEET) तथा रक्षा सेवाओं के लिए एनडीए (NDA) और सीडीएस (CDS) जैसी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं का निःशुल्क प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। इसी व्यापक और सुदृढ़ नेटवर्क ने कुमारी सृष्टि जैसे अनेक होनहारों को एक नई दिशा दी है।

# धनौरा के ब्लॉक सभागार में भाकियू (असली) की मासिक बैठक का आयोजन

## खाद,गैस डिलीवरी एवं निजी स्कूलों में शोषण रोकने का उठा मुद्दा,दी आन्दोलन की चेतावनी

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- तहसील सभागार में भारतीय किसान यूनियन (असली)की मासिक बैठक का आयोजन कराया गया। इस दौरान किसानों ने खाद की किल्लत, गैस सिलेंडर की होम डिलीवरी में हो रही लापरवाही एवं निजी स्कूलों द्वारा किए जा रहे अभिभावकों के शोषण जैसे ज्वलंत मुद्दों पर चिंता व्यक्त करते हुए संगठन ने चेतावनी दी कि यदि इन समस्याओं को शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो वह आने वाले समय में आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।

बता दें कि जनपद के धनौरा तहसील सभागार में गुरुवार को आयोजित इस बैठक को संबोधित करते हुए जिला प्रवक्ता नरेश चौधरी ने निजी स्कूलों की कार्यप्रणाली पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि स्कूल प्रबंधक ड्रेस और महंगी किताबों के नाम पर अभिभावकों का आर्थिक शोषण कर रहे हैं। संगठन ने मांग की कि हर विद्यालय में एनसीईआरटी (NCERT) की किताबें अनिवार्य रूप से लागू की जाएं। प्रशासन से उन स्कूलों पर कठोर कार्रवाई की भी मांग की गई, जो निर्धारित मानकों का उल्लंघन कर रहे हैं।मंडल अध्यक्ष डूंगर सिंह ने खाद की कमी का मुद्दा उठाते हुए कहा कि किसान खाद के लिए दर-दर भटक रहा है, जिसे तुरंत दूर किया जाना चाहिए। वहीं, गैस सिलेंडर के मुद्दे पर उन्होंने कहा, "जब सिलेंडर पर होम डिलीवरी अंकित है, तो उपभोक्ताओं को वितरण केंद्रों पर क्यों बुलाया जा रहा है?" उन्होंने प्रशासन से गैस की होम डिलीवरी सुनिश्चित कराने की मांग की।बैठक में क्षेत्र के सैकड़ों किसानों ने हिस्सा लिया। मुख्य रूप से जसपाल गिल सोनू, नन्हे सिद्धू, देशराज पालनपुर, दिनेश प्रधान, निहाली सैनी, खचेड़ू सिंह, सुरेश, दिनेश प्रधान अम्हेड़ा, रामवीर, जावेद मलिक, इश्तियाक अल्वी, श्यामवली यादव, कपिल त्यागी, जुल्फकार मल्लिक, धर्मपाल, यशपाल यादव, तुलाराम, समरपाल सिंह, हकीम उद्दीन अंसारी, ओमवीर सिंह और राजेन्द्र त्यागी आदि उपस्थित रहे।

# गरीब जोड़े का निःशुल्क निकाह, समाज सेवा की बना मिसाल

## इंसानियत जन सेवा सहारा ट्रस्ट ने बिना दहेज कराई शादी, दिया सकारात्मक संदेश

संभल(सब का सपना):- जनपद के सराय तरीन क्षेत्र में इंसानियत जन सेवा सहारा ट्रस्ट द्वारा एक सराहनीय पहल करते हुए एक गरीब युवक-युवती का निःशुल्क निकाह कराकर समाज में मानवता और सहयोग की अनूठी मिसाल पेश की गई।

गुरुवार सुबह सराय तारीन के नवादा इलाके में माली बगिया के पास, नवाब गार्डन के सामने स्थित हाजी मुनाजिर उल्लाह के मकान पर सादगीपूर्ण तरीके से निकाह सम्पन्न कराया गया। इस नेक कार्य का आयोजन इंसानियत जन सेवा सहारा ट्रस्ट द्वारा किया गया, जो लगातार जरूरतमंदों की मदद और गरीब परिवारों की बेटियों की शादियां निःशुल्क कराने का कार्य कर रहा है। निकाह समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में निदा अहमद और दीपा बाष्णेय उपस्थित रहीं। इस दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने कार्यक्रम में शिरकत कर नवविवाहित जोड़े को शुभकामनाएं और आशीर्वाद दिया।

इस निकाह की सबसे खास बात यह रही कि पूरी शादी बिना दहेज के सम्पन्न कराई गई, जिससे समाज में एक सकारात्मक और प्रेरणादायक संदेश गया। ट्रस्ट की यह पहल न सिर्फ जरूरतमंदों के लिए सहारा बन रही है, बल्कि समाज में भाईचारे और इंसानियत को भी मजबूत कर रही है।

# एचपीवी टीकाकरण अभियान का शुभारम्भ, किशोरियों के स्वास्थ्य सुरक्षा की ओर बड़ा कदम

बहजोई/संभल(सब का सपना):- भारत सरकार के देशव्यापी अभियान के तहत जनपद में भी एचपीवी टीकाकरण कार्यक्रम की शुरूआत गुरुवार को जिला संयुक्त चिकित्सालय संभल में की गई। कार्यक्रम का शुभारम्भ मिशन शक्ति के अंतर्गत पाँच किशोरियों पलाक्षी गुप्ता, आराध्या रस्तौगी, कनिष्का रस्तौगी, अक्सा रईस और अलिशबा द्वारा जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया की उपस्थिति में किया गया।

प्रथम दिवस पर जिला संयुक्त चिकित्सालय में कुल 18 किशोरियों का सफल टीकाकरण किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया ने कहा कि यह अभियान एचपीवी संक्रमण के बोझ को कम करने और इससे होने वाली मृत्यु दर को घटाने में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने बताया कि यह टीका अब तक 160 देशों में 50 करोड़ से अधिक लोगों को लगाया जा चुका है, जबकि बाजार में इसकी कीमत लगभग 4 हजार रुपये है, जो आम लोगों के लिए महंगा है। ऐसे में सरकार की यह पहल अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने सभी सरकारी व निजी विद्यालयों, मदरसों एवं स्कूल न जाने वाली 14 से 15 वर्ष आयु की किशोरियों से टीकाकरण कराने की अपील की और शिक्षकों से स्वास्थ्य विभाग का सहयोग करने का आह्वान किया। टीकाकरण के बाद सभी किशोरियों को डिजिटल वैक्सीनेशन प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक ने एचपीवी टीके के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समय पर टीकाकरण से भविष्य में गंभीर बीमारियों से बचाव संभव है। उन्होंने चिकित्सकों से अपील की कि वे ओपीडी में आने वाले अभिभावकों को इस वैक्सीन के प्रति जागरूक करें और उनकी शंकाओं का वैज्ञानिक आधार पर समाधान करें। आईसीएमआर के नेशनल कैंसर रजिस्ट्री प्रोग्राम 2024 के अनुसार, देश में हर वर्ष लगभग 78 हजार नए सर्वाइकल कैंसर के मामले सामने आते हैं और 42 हजार से अधिक महिलाओं की मृत्यु हो जाती है, जिनमें से लगभग 99 प्रतिशत मामलों का कारण एचपीवी संक्रमण है। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी/अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. पंकज विश्नोई ने बताया कि जनपद संभल में करीब 27,153 किशोरियों को एचपीवी टीका लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। वहीं, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राजेन्द्र सिंह ने एचपीवी संक्रमण के खतरे और उससे बचाव में वैक्सीन की भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में डॉ. अजफर कमाल, डॉ. मनमोहन शर्मा, संजीव राठौर, डॉ. सुनील त्यागी, शमशीर आलम, सुरजीत कुमार, फैजान अली, किरन वाल, पारूल गुप्ता सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

# प्रकृति, गौवंश और समाज के समन्वित विकास पर कार्यशाला आयोजित

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जिलाधिकारी के निर्देशन में जनपद में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य विकास अधिकारी, डीडी कृषि, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, वन विभाग के अधिकारी तथा सभी ब्लॉकों के किसान उपस्थित रहे।

कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में जोधपुर से आए डॉ. राकेश निहाल (सचिव, गो संवर्धन आश्रम) ने प्रकृति, गौवंश और समाज के समन्वित विकास विषय पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने पंचमहाभूतों के संतुलन, यज्ञ आधारित पर्यावरण शुद्धि, गौ-आधारित खेती मॉडल, जल संरक्षण, नस्ल सुधार और बहु-स्तरीय वन विकास पर जोर दिया।

उन्होंने बताया कि गौवंश आधारित मॉडल, जैविक खेती, कचरा प्रबंधन और विभागों के समन्वय से न केवल पर्यावरण संरक्षण संभव है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

अधिकारियों ने इस मॉडल को अपनाकर जनपद में सतत विकास और स्वावलंबन को बढ़ावा देने पर बल दिया।

# पुलिस की एण्टी रोमियों टीमों द्वारा चलाया गया 'मिशन शक्ति फेज-05' अभियान

सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं,बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के तहत पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार के निर्देशन एवं नोडिल अधिकारी अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) कुलदीप सिंह, क्षेत्राधिकारी चन्दौसी /सहायक नोडल मिशन शक्ति अभियान दीपक कुमार के नेतृत्व में गुरुवार को जनपद की मिशन शक्ति टीम में नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत आयोजित कार्यक्रम में बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में चौपाल का आयोजन कर जागरुक किया गया । महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ जुड़ कर उन्हें सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है।

साथ ही मिशन शक्ति 5.0 (द्वितीय चरण) अभियान के अन्तर्गत जनपद की एंटी रोमियो टीम द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों,कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया।

# गजरौला के अवंतिका पार्क में निशुल्क विशाल स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन,जांच के लिए लगी लोगों की भीड़

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की गजरौला नगर पालिका परिषद द्वारा अवंतिका पार्क में 'नमस्ते योजना' के अंतर्गत शारदा हॉस्पिटल ग्रेटर नोएडा के विशेष सहयोग से एक भव्य निशुल्क स्वास्थ्य जांच उपचार शिविर का आयोजन कराया गया ।इस शिविर में नगर वासियों और पालिका कर्मचारियों के स्वास्थ्य का निशुल्क परीक्षण किया गया।

बता दें कि गुरुवार को आयोजित इस शिविर का शुभारंभ पालिका अध्यक्षा राजेंद्री उर्फ उमा देवी ने फीता काटकर किया ।स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संदेश देते हुए नगर पालिका अध्यक्षा ने स्वयं अपना चेकअप कराया उनके साथ ही पूर्व विधायक एवं नगर स्वच्छता प्रेरक हरपाल सिंह एवं अधिशासी अधिकारी ललित कुमार आर्य ने भी चिकित्सा दल से अपना स्वास्थ्य परीक्षण करा कर नागरिकों का उत्सवर्धन किया। ग्रेटर नोएडा से आए शारदा हॉस्पिटल के टीम प्रबंधक दीपक अग्रवाल ने स्वास्थ्य जांच टीम का नेतृत्व किया, स्वास्थ्य जांच शिविर में वरिष्ठ विशेषज्ञ डॉक्टर जय किशन तिवारी ,डॉक्टर साहिल एवं डॉक्टर व उनकी टीम ने 320 मरीजों की जांच की ,शिविर में न केवल परामर्श दिया गया बल्कि जरूरतमंदों को निशुल्क दवाइयां भी वितरित की गई एवं 70 वर्ष से अधिक आयु के नगर वासियों के 20 आयुष्मान कार्ड निशुल्क बनाए गए। 'आईटीसी सुनहरा कल' के अंतर्गत पालिका के स्वच्छता प्रहरियों और कर्मचारियों सहित गहन स्वास्थ्य परीक्षण कर उनका उपचार किया गया।

इस अवसर पर पालिका अध्यक्षा राजेंद्री उर्फ उमा देवी पूर्व विधायक एवं नगर स्वच्छता प्रेरक हरपाल सिंह ,अधिशासी अधिकारी ललित कुमार आर्य, लेखाकार आदेश कुमार, लिपिक इरशाद खान, रविंद्र सिंह, अजय शुक्ला, दीपू कुमार, विभोर जिंदल, आईटीसी कोऑर्डिनेटर यशपाल सिंह, शारदा हॉस्पिटल ग्रेटर नोएडा से आए वरिष्ठ विशेषज्ञ डॉक्टर जय किशन तिवारी, डॉक्टर साहिल एवं शारदा हॉस्पिटल के टीम प्रबंधक दीपक अग्रवाल व उनकी टीम सभासद एवं समस्त पालिका कर्मी उपस्थित रहे।

# हापुड़ में पार्किंग स्टैंड के ठेकेदार ने मां-बेटों के साथ की मारपीट

हापुड़ (सब का सपना):- जनपद के एक अस्पताल में पार्किंग स्टैंड के ठेकेदार ने मां बेटों के साथ मारपीट केवल इसलिए कर दी कि तीमारदार ने पर्ची अपने भाई को दे दी थी और वह उसे लेकर घर चला गया था। इसके बाद मामला इतना बढ़ गया की दबंग ठेकेदार ने कुछ दबंगों के साथ मिलकर मां बेटों के साथ गाली गलौज की और मारपीट कर दी। जिसके बाद पुलिस को जानकारी दी गई, पुलिस भी मौके पर पहुंच गई।

आपको बता दें कि मिली जानकारी के अनुसार देव नंदिनी अस्पताल में पार्किंग स्टैंड के ठेकेदार ने दबंग लोगों को बुलाकर मां-बेटों के साथ मारपीट की। मोहल्ला कवि नगर निवासी लोकेश की दादी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती हैं। उनकी देखरेख के लिए युवक ने अपनी स्कूटी पार्किंग में खड़ी कर रखी दी और पार्किंग की पर्ची छोटे भाई को दे दी जिसके बाद उनका भाई भूलवश पर्ची अपने साथ लेकर चला गया लेकिन उसके बाद जब लोकेश स्कूटी लेकर जाने लगा तो पार्किंग ठेकेदार ने लोकेश से पर्ची मांगी। वहीं लोकेश ने कहा कि पर्ची मेरे छोटे भाई की जेब में भूल से चली गई है। इस पर पार्किंग ठेकेदार ने गाली देते हुए उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। जब उसका छोटा भाई पर्ची लेकर आया तो पार्किंग ठेकेदार को पर्ची दिखाई, लेकिन पार्किंग ठेकेदार ने दस-बारह दबंगो को बुलाकर दोनों भाई व उनकी मां के साथ गंदी-गंदी गाली देकर मारपीट की। जिसके बाद लोकेश ने मारपीट की सूचना तुरंत थाना हापुड़ देहात प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार को दी।

सूचना पाकर तुरंत ही थाना हापुड़ देहात प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए और मामले की जांच पड़ताल करते हुए उन्होंने पीड़ित परिवार को रिपोर्ट दर्ज करने का आश्वासन देकर जांच शुरू कर दी है।

# गजरौला पुलिस ने होटल में चोरी करने वाले युवक को किया गिरफ्तार,कब्जे से दो एल.ई.डी.बरामद

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की गजरौला पुलिस ने नगर के हाईवे किनारे स्थित होटल में चोरी करने वाले एक युवक को मैं दो एल.ई.डी. के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से बरामद हुई एलईडी टीवी की अनुमानित कीमत लगभग ₹10000 बताई जा रही है। पुलिस द्वारा गिरफ्तार हुए अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। बता दें कि इस मामले में प्राप्त जानकारी के मुताबिक थाना गजरौला पर बुधवार को वादी पीयूष अग्रवाल पुत्र स्वर्गीय मोहनलाल निवासी मोहल्ला कायस्तान कस्बा व थाना हसनपुर,जनपद अमरोहा,हाल पता सुपरवाईजर स्वागत होटल कस्बा व थाना गजरौला जनपद अमरोहा की तहरीर के आधार पर अज्ञात व्यक्ति द्वारा स्वागत होटल के कमरे से 02 अदद एल.ई.डी टीवी चुरा ले जाने के सम्बन्ध में मुकदमा पंजीकृत किया गया ।विवेचना के क्रम मे घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरो की फुटेज व साक्ष्य संलकन के आधार पर घटना कारित करने वाला अभियुक्त विकास पुत्र जगदीश नि0 मौहल्ला मायापुरी मण्डी के पास कस्बा व थाना गजरौला जनपद अमरोहा का नाम प्रकाश मे आया। बुधवार को सीसीटीवी फुटेज व मुखबिर की सूचना पर थाना गजरौला पुलिस द्वारा कस्बा गजरौला से स्वागत होटल से 02 एलईडी टीवी चोरी करने की घटना को अंजाम देना वाला अभियुक्त विकास पुत्र जगदीश नि0 मौहल्ला मायापुरी मण्डी के पास कस्बा व थाना गजरौला जनपद अमरोहा उम्र करीब 22 वर्ष को भानपुर फाटक के पास से मय 02 अदद एल.ई.डी टीवी के साथ गिरफ्तार किया गया ।इस मामले में पुलिस द्वारा की गई पूछताछ में उसने बताया कि दिनांक 07 व 08 अप्रैल की रात्रि मे स्वागत होटल मे पार्टी चल रही थी पार्टी का लाभ उठाकर वह होटल के कमरे मे लगी 02 एल.ई.डी टीवी को उतारकर कम्बल मे छुपाकर चोरी कर ले आया था, जिन्हे वह आज बेचने जा रहा था। पुलिस द्वारा बरामदगी के आधार पर अभियोग मे धारा 317(2) बीएनएस की वृद्धि की गयी एवं गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया ।

# महर्षि वन में असामाजिक तत्वों ने तोड़ी मूर्ति और लाइटें, प्राधिकरण ने कराई मरम्मत

बुलन्दशहर (सब का सपना):- ट्रांसपोर्ट नगर स्थित महर्षि वन पार्क में बुलन्दशहर-खुर्जा विकास प्राधिकरण द्वारा कराए गए सौंदर्यीकरण कार्य के तहत लगाई गई बोलार्ड लाइटों और एक मूर्ति को अज्ञात असामाजिक तत्वों ने रात के समय क्षतिग्रस्त कर दिया। सूचना मिलने पर प्राधिकरण के क्षेत्रीय स्टाफ ने मौके का निरीक्षण किया।

जांच में पाया गया कि नुकसान खराब निर्माण सामग्री से नहीं बल्कि जानबूझकर तोड़फोड़ करने से हुआ है। प्राधिकरण ने बताया कि कार्य थर्ड पार्टी जांच में मानकों के अनुरूप पाया गया है। घटना के बाद संबंधित ठेकेदार ने क्षतिग्रस्त मूर्ति को बदल दिया है और लाइटों की मरम्मत का काम जारी है। इस मामले में स्थानीय थाने में एफआईआर भी दर्ज कराई गई है और भविष्य में सुरक्षा के लिए पार्क में दो गार्ड तैनात किए जाएंगे। प्राधिकरण ने घटना की निंदा करते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की बात कही है।

# जिलाधिकारी ने ग्राम अम्हेड़ा के तालाब का निरीक्षण किया, अतिक्रमण हटाने और जीर्णोद्धार के दिए निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने बृहस्पतिवार को जोया ब्लॉक के ग्राम अम्हेड़ा में स्थित तालाब का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने तालाब से अतिक्रमण हटाने के लिए त्वरित कार्य योजना तैयार करने और एस्टीमेट बनाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में चलाए जा रहे मिशन 500 के अंतर्गत इस तालाब का जीर्णोद्धार कर उसे मूल स्वरूप में लाते हुए जल संग्रहण क्षमता बढ़ाई जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अतिक्रमण हटाने और तालाब की सफाई-सुधार का कार्य शीघ्र शुरू किया जाए। निरीक्षण के दौरान ग्राम करनपुर के स्थानीय निवासियों ने हर घर जल योजना को लेकर शिकायत की। उन्होंने बताया कि गांव में पाइपलाइन बिछा दी गई है, लेकिन अभी तक नियमित जल आपूर्ति शुरू नहीं हुई है।

जिलाधिकारी ने जल निगम के अधिकारियों को तत्काल निर्देश दिए कि गांव में सुचारू रूप से पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए और किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, बीडीओ जोया सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

# किरतपुर सरकारी अस्पताल में लापरवाही उजागर, वार्ड बॉय से कराया जा रहा इलाज

किरतपुर/बिजनौर (सब का सपना):- सरकारी अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। ताजा मामला अस्पताल में कथित लापरवाही और अनियमितताओं से जुड़ा है, जहां मरीजों के इलाज को लेकर गंभीर चिंताएं सामने आई हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अस्पताल में तैनात चिकित्सक डॉ. ईश्वरनंद की मौजूदगी में वार्ड बॉय शोभित द्वारा एक मरीज का इलाज किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। चिकित्सा नियमों के अनुसार यह व्यवस्था पूरी तरह अवैध मानी जाती है, जिससे मरीजों की सुरक्षा पर प्रश्नचिह्न लग गया है। स्थानीय लोगों और मरीजों के परिजनों का आरोप है कि अस्पताल में मूलभूत चिकित्सा सुविधाओं का अभाव है। उनका कहना है कि मरीजों को दवाइयां बाहर से खरीदने के लिए मजबूर किया जाता है, वहीं ब्लड टेस्ट और अन्य जांच निजी लैब में कराने की सलाह दी जाती है, जिससे आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। यह भी आरोप है कि अस्पताल में पहले भी कई बार अव्यवस्थाओं की शिकायतें सामने आ चुकी हैं, लेकिन सुधार के नाम पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। अस्पताल परिसर की साफ-सफाई और रखरखाव को लेकर भी स्थिति चिंताजनक बताई जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, हर वर्ष सौंदर्यीकरण के लिए बजट मिलने के बावजूद परिसर में गंदगी और अव्यवस्था बनी रहती है। इस संबंध में जब मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) बिजनौर से संपर्क करने का प्रयास किया गया, तो उनसे संपर्क नहीं हो सका।

लोगों का कहना है कि शिकायतों के बावजूद जांच में लापरवाही बरती जा रही है। मामला सामने आने के बाद क्षेत्र में आक्रोश व्याप्त है। नागरिकों ने प्रशासन से निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है, ताकि मरीजों को सुरक्षित और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें।

# उदित प्रजापति की ऐतिहासिक सफलता पर उमड़ा जनसैलाब, स्वागत का सिलसिला जारी

## UPPSC में 105वीं रैंक हासिल कर बने नायब तहसीलदार, क्षेत्र में गर्व और उत्साह का माहौल

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के स्योहारा क्षेत्र के ग्राम ठाटजट निवासी उदित प्रजापति ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (UPPSC) परीक्षा में 105वीं रैंक प्राप्त कर नायब तहसीलदार पद पर चयनित होकर इतिहास रच दिया है। उनकी इस उल्लेखनीय उपलब्धि से न केवल उनका परिवार, बल्कि पूरा क्षेत्र गौरवान्वित महसूस कर रहा है। गांव से लेकर शहर तक बधाइयों का तांता लगा हुआ है और स्वागत-सम्मान का सिलसिला लगातार जारी है। उदित प्रजापति की सफलता को लेकर सामाजिक संगठनों में भी खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। राष्ट्रीय प्रजापति महासभा के जिलाध्यक्ष हरपाल सिंह प्रजापति अपने सहयोगियों के साथ उनके आवास पहुंचे, जहां उन्होंने फूल-मालाओं से स्वागत कर स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस अवसर पर मनजीत सिंह प्रजापति, मास्टर रामगोपाल सिंह प्रजापति, ऋषिपाल प्रजापति, हुकम सिंह प्रजापति, मास्टर शीशराम सिंह प्रजापति, चेतराम सिंह प्रजापति और दिनेश कुमार प्रजापति सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

समारोह के दौरान वक्ताओं ने कहा कि उदित प्रजापति की यह सफलता केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए प्रेरणादायक उदाहरण है। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने अपनी मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प से यह मुकाम हासिल किया है, जो आने वाली पीढ़ी को बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने की प्रेरणा देगा।

राष्ट्रीय प्रजापति महासभा के जिलाध्यक्ष हरपाल सिंह प्रजापति ने कहा कि उदित ने यह साबित कर दिया है कि मेहनत और सही दिशा में प्रयास से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है। उन्होंने कहा कि समाज के युवाओं को उनसे प्रेरणा लेकर प्रतियोगी परीक्षाओं की ओर आगे बढ़ना चाहिए। नवनियुक्त नायब तहसीलदार उदित प्रजापति ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, गुरुजनों और निरंतर मेहनत को दिया। उन्होंने कहा कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और प्रयास ईमानदारी से किए जाएं, तो सफलता निश्चित रूप से मिलती है। गांव-गांव में जश्न का माहौल उदित की सफलता के बाद क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल है। जगह-जगह उनका सम्मान किया जा रहा है और लोग उन्हें अपने बीच पाकर गर्व महसूस कर रहे हैं।

स्पष्ट है कि उदित प्रजापति की यह उपलब्धि केवल एक पद प्राप्त करने की कहानी नहीं, बल्कि संघर्ष, समर्पण और सफलता की प्रेरणादायक मिसाल बन गई है।

# दो वर्ष बाद कब्र से निकाला शव, पोस्टमार्टम को भेजा

## सऊदी में हुई मौत पर उठे सवाल, डीएनए जांच की मांग के बाद प्रशासन की कार्रवाई

किरतपुर/बिजनौर (सब का सपना):- करीब बीस माह पहले दफनाए गए युवक के शव को बुधवार को कब्र से निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजे जाने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मामला ग्राम शकरपुरी निवासी तालिब पुत्र शगीर से जुड़ा है, जिसकी जुलाई 2024 में सऊदी अरब के रियाद में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी।

तहसील प्रशासन ने जिलाधिकारी के आदेश पर यह कार्रवाई की। नायब तहसीलदार अतुल भगत राजस्व टीम और पुलिस बल के साथ गांव पहुंचे और मृतक के पिता शगीर अहमद व गांव के हाफिज की निशानदेही पर कब्र खुदवाकर शव को बाहर निकलवाया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल बिजनौर भेज दिया गया।

मृतक के पिता शगीर अहमद ने फरवरी माह में जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर बेटे की मौत पर संदेह जताया था। उनका कहना था कि 8 जुलाई 2024 को उनके पुत्र का शव सऊदी अरब में खजूर के पेड़ से लटका हुआ मिला था, जिसे आत्महत्या बताया गया। परिजनों का आरोप है कि भारत लाए जाने के बाद शव का पोस्टमार्टम नहीं कराया गया, जिससे मौत के वास्तविक कारण पर संदेह बना हुआ है। उन्होंने यह भी आशंका जताई कि जो शव भारत भेजा गया, वह उनके बेटे का ही है या नहीं—इसी की पुष्टि के लिए डीएनए टेस्ट की मांग की गई।

### दलाल पर धोखाधड़ी का आरोप

शगीर अहमद ने नेहटौर के एक कथित दलाल पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि उसी के माध्यम से उनका बेटा अप्रैल 2024 में सऊदी अरब काम करने गया था। पिता के अनुसार, बेटे की मौत के कुछ दिन बाद रियाद में रह रहे उसके एक दोस्त ने एक ऑडियो भेजा था, जिसमें तालिब अपनी मां के लिए संदेश देते हुए कह रहा था कि उसे कैद कर रखा गया है और उस पर झूठा आरोप लगाकर फांसी देने की बात कही जा रही है।

परिजनों का आरोप है कि शुरूआत में दलाल ने न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया, लेकिन अब वह घटना को आत्महत्या बताकर पल्ला झाड़ रहा है।

### प्रशासन ने दिया कार्रवाई का भरोसा

नायब तहसीलदार अतुल भगत ने बताया कि जिलाधिकारी के आदेश पर शव को कब्र से निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। साथ ही डीएनए जांच की प्रक्रिया भी आगे बढ़ाई जाएगी, जिससे सच्चाई सामने आ सके। इस दौरान राजस्व निरीक्षक अजय गुप्ता, लेखपाल देवेंद्र सिंह और थाना प्रभारी पुष्पेंद्र सिंह सहित पुलिस बल मौजूद रहा।

### गांव में चर्चा, परिजनों को न्याय की उम्मीद

इस पूरे घटनाक्रम के बाद गांव में तरह-तरह की चचाएं हैं। परिजन अब पोस्टमार्टम और डीएनए रिपोर्ट के जरिए सच्चाई सामने आने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। अब सबकी नजर रिपोर्ट पर टिकी है। क्या यह मौत वाकई आत्महत्या थी या इसके पीछे कोई साजिश छिपी है?

# बिजनौर में माफिया बनाम सियासत, सुभासपा मैदान में, ज्ञापन से गरमाया माहौल

## भाजपा नेता पर हमले का आरोप, कानून-व्यवस्था पर उठे तीखे सवाल

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद में माफिया गतिविधियों और राजनीतिक टकराव के बीच अब सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी खुलकर मैदान में उतर आई है। पार्टी के जिला अध्यक्ष अशोक कुमार राठौड़ के नेतृत्व में प्रशासन को सौंपे गए ज्ञापन ने न केवल प्रशासनिक गलियारों में हलचल पैदा कर दी है, बल्कि जिले की सियासत भी गरमा गई है।

ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि 1 अप्रैल 2026 को भाजपा के वरिष्ठ नेता राजा भारतेंद्र सिंह पर माफिया तत्वों द्वारा हमला किया गया। इस घटना को लेकर रइरढ ने सीधे तौर पर कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। पार्टी का कहना है कि यदि जनप्रतिनिधि ही सुरक्षित नहीं हैं, तो आम जनता की सुरक्षा पर गंभीर संकट खड़ा हो गया है।

रइरढ ने अपने ज्ञापन में जिले में बढ़ती आपराधिक गतिविधियों को लेकर भी चिंता जताई है। पार्टी के अनुसार अवैध कॉलोनियों का तेजी से विस्तार, जमीनों पर कब्जे, अवैध खनन, लकड़ी कटान जैसी गतिविधियां खुलेआम चल रही हैं, जिससे आम नागरिकों में भय और असुरक्षा का माहौल बनता जा रहा है। इस मुद्दे पर पार्टी के कई प्रमुख नेता भी खुलकर सामने आए। प्रदेश महासचिव राजपाल सिंह, मंडल उपाध्यक्ष वीरेंद्र ठाकुर सहित रूपेंद्र चौधरी, मुजफ्फर अली, साबिर अंसारी और अहमद ने एकजुट होकर प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की। नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि माफिया तत्वों पर जल्द और प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई, तो पार्टी सड़क से लेकर सदन तक आंदोलन करने को मजबूर होगी।

इस घटनाक्रम ने जिले की राजनीति को एक नया मोड़ दे दिया है। एक ओर कानून-व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं, तो दूसरी ओर राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। उनका कहना है कि अब निगाहें प्रशासन पर टिकी हैं कि वह इस पूरे मामले में क्या कदम उठाता है। क्या माफिया पर शिकंजा कसेगा, या यह मामला भी सियासी शोर में दब जाएगा?

# बिजनौर का शातिर चोर एमपी में दबोचा, तालाब में छुपकर देता रहा पुलिस को चुनौती

## कमल के डंठल से ले रहा था सांस, RPF का मिलिट्री स्टाइल ऑपरेशन सफल

### गोताखोर बुलाकर चलाया ऑपरेशन

घटना की गंभीरता को देखते हुए पढक्रने तत्काल क्षेत्र की घेराबंदी कर दी और गोताखोर को बुलाया गया। कई घंटे तक चले सर्च ऑपरेशन के बाद जैसे ही आरोपी पानी से बाहर आने की कोशिश में दिखा, जवानों ने उसे पकड़ लिया। पूरे ऑपरेशन को मिलिट्री स्टाइल में अंजाम दिया गया, जिसने सभी को हैरान कर दिया।

### बिजनौर का निवासी, 21 मुकदमों का आरोपी

पकड़ा गया आरोपी उत्तर प्रदेश के बिजनौर जनपद का रहने वाला है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार उसके खिलाफ 21 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं और वह एक दर्जन से अधिक मामलों में वांछित चल रहा था। हैरानी की बात यह भी सामने आई है कि आरोपी पूर्व में पार्षद रह चुका है, जिससे उसके आपराधिक इतिहास पर और सवाल खड़े हो गए हैं। सतर्कता से टली बड़ी वारदात इस घटना ने रेलवे सुरक्षा व्यवस्था की चुनौतियों को एक बार फिर उजागर किया है। हालांकि पढक्रकी सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से एक बड़ी चोरी की वारदात टल गई। फिलहाल आरोपी से पूछताछ जारी है और उसके नेटवर्क व अन्य आपराधिक मामलों की जांच भी तेज कर दी गई है।

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद का एक शातिर इंटरस्टेट चोर मध्यप्रदेश के सिहोर जिले में फिल्मी अंदाज में गिरफ्तार किया गया। आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए तालाब में कूद गया और कमल के खोखले डंठल से सांस लेकर घंटों तक पानी में छिपा रहा, लेकिन आखिरकार रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स (RPF) के जवानों ने उसे धर दबोचा।

RPF थाना प्रभारी राजीव खरब के अनुसार, मध्यप्रदेश के सिहोरा रेलवे स्टेशन पर तैनात जवानों ने सुबह करीब 4:50 बजे ट्रेन संख्या 11753 से एक संदिग्ध युवक को उतरते देखा। निगरानी करने पर पता चला कि वह ट्रेन में एक महिला का पर्स चुराने की कोशिश कर रहा था। जैसे ही जवानों ने उसे पकड़ने का प्रयास किया, आरोपी मौके से भाग निकला और पास के बाजार क्षेत्र में स्थित काई से भरे तालाब में कूद गया। गिरफ्तारी से बचने के लिए उसने बेहद चौंकाने वाला तरीका अपनाया—वह पानी के भीतर छिपा रहा और सांस लेने के लिए कमल के डंठल का सहारा लेता रहा।

# करौली गांव में दर्दनाक हादसा, ई रिक्शा की चपेट में आने से पांच साल के बच्चे की मौत

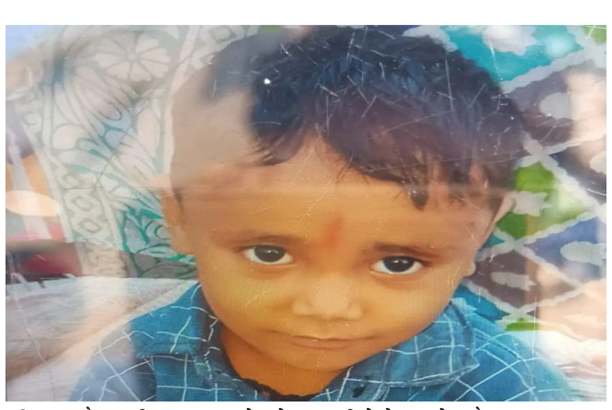

मंडावली/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के मंडावली क्षेत्र के करौली गांव में गुरुवार को एक दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया, जहां ई-रिक्शा की टक्कर से पांच वर्षीय मासूम की मौत हो गई। घटना उस समय हुई जब बच्चा अपने घर के बाहर खेल रहा था और अचानक पीछे की ओर आ रहे ई-रिक्शा की चपेट में आ गया।

मृतक की पहचान शौर्य (5 वर्ष) पुत्र अर्जुन सिंह के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि ई-रिक्शा चालक ने बिना पीछे देखे वाहन बैक किया, जिससे शौर्य को जोरदार टक्कर लग गई। हादसे के बाद परिजन और ग्रामीण तुरंत बच्चे को अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद चालक मौके से फरार हो गया, जिससे परिजनों और ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और ई-रिक्शा को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और फरार चालक की तलाश में दबिश दी जा रही है।

परिजनों के अनुसार, शौर्य अपनी सात बहनों का इकलौता भाई था, जिससे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। परिवार के लोगों ने आरोप लगाया कि चालक नशे की हालत में था और लापरवाही से वाहन चला रहा था, जिसके चलते यह हादसा हुआ। गांव में घटना के बाद शोक और गुस्से का माहौल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से आरोपी चालक की जल्द गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई की मांग की है। यह हादसा एक बार फिर लापरवाही से वाहन चलाने के खतरनाक परिणामों की ओर इशारा करता है।

# नूरपुर में 15 -20 हमलावरों ने घर में घुसकर बरपाया कहर, पिता-पुत्र गंभीर घायल

नूरपुर/बिजनौर (सब का सपना):- दबंगई का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां 15-20 लोगों के झुंड ने एक घर में घुसकर जमकर मारपीट की। इस हमले में पिता-पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गए, जिससे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया है। जनपद के थाना नूरपुर क्षेत्र में युसूफ नगर पीपला जागीर निवासी मोहम्मद अनीस ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि घटना के समय उनके बहनोई और साले घर पर मौजूद थे। तभी सफीक अहमद पुत्र बशीर अहमद अपने बेटों और अन्य लोगों के साथ कई गाड़ियों में सवार होकर मौके पर पहुंचे और आते ही गाली-गलौच करते हुए हमला बोल दिया।

पीड़ित के अनुसार, हमलावरों ने लाठी-डंडों से बेरहमी से मारपीट की और जान से मारने की धमकियां भी दीं। हमले में मोहम्मद अनीस और उनके बेटे मोहम्मद अनस के सिर व हाथ में गंभीर चोटें आई हैं, जबकि अनीस को भी अंदरूनी चोटें लगी हैं। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें हमलावर गाड़ियों से उतरकर हंगामा करते, गाली-गलौच और मारपीट करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में घर के गेट और चैनल को जबरन तोड़ने की कोशिश भी साफ दिखाई दे रही है, जिससे घटना की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है। पीड़ित की तहरीर के आधार पर थाना नूरपुर पुलिस ने एक नामजद आरोपी सहित 15-20 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी। घटना के बाद स्थानीय लोगों में भय और आक्रोश दोनों देखने को मिल रहा है। लोगों का कहना है कि खुलेआम इस तरह की दबंगई कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है। अब सबकी नजर पुलिस कार्रवाई पर टिकी है कि आरोपियों पर कितनी जल्द और कितनी सख्त कार्रवाई होती है।

# फीस वृद्धि, किताबों की लूट पर उठाई आवाज, शिवसेना का कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद में निजी स्कूलों की मनमानी के खिलाफ शिवसेना ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि प्राइवेट स्कूल शिक्षा के नाम पर अभिभावकों का खुला शोषण कर रहे हैं और प्रशासन इस पर प्रभावी नियंत्रण नहीं कर पा रहा है।

शिवसैनिकों ने कहा कि निजी स्कूलों में हर वर्ष मनमाने तरीके से फीस बढ़ाई जा रही है। इसके अलावा किताबों को ओवर रेट पर बेचने, ड्रेस को केवल स्कूल से ही खरीदने का दबाव बनाने और हर साल बिल्डिंग फीस के नाम पर अतिरिक्त वसूली करने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए।

प्रदर्शनकारियों का कहना था कि छात्रों के नवीनीकरण (री-एडमिशन) के नाम पर हर वर्ष दोबारा शुल्क लिया जा रहा है, जो पूरी तरह अनुचित है। इससे मध्यम और निम्न वर्ग के अभिभावकों पर आर्थिक बोझ बढ़ता जा रहा है।

शिवसेना ने जिलाधिकारी से मांग की कि प्राइवेट स्कूलों की फीस संरचना की जांच कराई जाए। किताबों और ड्रेस की अनिवार्यता खत्म कराई जाए। अवैध वसूली पर तत्काल रोक लगाई जाए। दोषी स्कूल प्रबंधन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। इस दौरान जिला प्रमुख चौधरी वीर सिंह, युवा जिला प्रमुख विजय मोहन गुप्ता, शोभित गुर्जर, धर्मवीर सिंह तोमर, डॉ. दिनेश कुमार, मनीत, अरुण कुमार, भूपेंद्र कुमार, आंतरिक कौशिक, शशि कुमार, विपुल चौधरी, संदीप चौहान, तुषार रस्तोगी, मनजीत चौधरी सहित कई शिवसैनिक मौजूद रहे।

प्रदर्शन के बाद अभिभावकों को उम्मीद है कि प्रशासन इस मामले में ठोस कदम उठाएगा और निजी स्कूलों की मनमानी पर अंकुश लगेगा। फिलहाल, यह मुद्दा जिले में तेजी से चर्चा का विषय बन गया है और सभी की नजर प्रशासनिक कार्रवाई पर टिकी है।

# प्राइवेट स्कूलों की मनमानी के खिलाफ प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन सौंपा

बुलन्दशहर (सब का सपना):- प्राइवेट स्कूलों द्वारा अभिभावकों से मनमानी फीस और किताबों-यूनिफॉर्म में कथित कमीशनखोरी के विरोध में शिवसेना कार्यकताओं ने 9 अप्रैल को काला आम स्थित मलका पार्क में एकत्र होकर प्रदर्शन किया।

जिला अध्यक्ष सर्वेश राणा के नेतृत्व में कार्यकताओं ने उत्तर प्रदेश के शिक्षा मंत्री के नाम जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

जिला अध्यक्ष सर्वेश राणा ने आरोप लगाया कि निजी स्कूलों में किताबों, जूतों और बैग पर भारी कमीशन लिया जा रहा है तथा पहले से पढ़ रहे बच्चों का दोबारा एडमिशन कर अभिभावकों का आर्थिक शोषण किया जा रहा है। उन्होंने मांग की कि ऐसे स्कूलों की जांच कर दोषी संस्थानों के लाइसेंस निरस्त किए जाएं और संबंधित दुकानों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

इस दौरान राजकुमार गिरी, नीलम भाटी, उषा राजपूत, सरोज रानी, सुधीर सैनी, अरुण लोधी, मीनाक्षी चौधरी, मनोज सैनी, श्यामलाल गिरी, जय भगवान फौजी, निशांत ठाकुर, रानी देवी, मासूम ठाकुर, बबलू गिरी, राजीव सिंह सहित कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# सपा कार्यालय पर बाबा साहब अंबेडकर जयंती को PDA संकल्प दिवस के रूप में मनाने की तैयारी।

बुलन्दशहर (सब का सपना) चंद्रपाल सिंहः- विधानसभा क्षेत्र 65 के अंतर्गत बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती को PDA संकल्प दिवस के रूप में मनाने को लेकर समाजवादी पार्टी जिला कार्यालय पर एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष ने की, जबकि संचालन चौ. चंद्रपाल सिंह (प्रदेश उपाध्यक्ष, मजदूर सभा) ने किया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में जिला अध्यक्ष मतलूब अली तथा विशिष्ट अतिथि कृष्ण पाल सिंह यादव उपस्थित रहे।

जिला उपाध्यक्ष अनिल पर्यवेक्षक के रूप में मौजूद रहे। बैठक में निर्णय लिया गया कि विधानसभा क्षेत्र में लगभग 30 स्थानों पर बाबा साहब की जयंती कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यह कार्यक्रम पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देशानुसार PDA संकल्प दिवस के रूप में मनाया जाएगा। बैठक में विजेश शर्मा, नवाब शाह जलाली, लियाकत अली, दानिश खान, सुन्दर विनीत राणा, चरन सिंह राजपूत, हाजी अख्तर, दिलशाद, यामिन, अनिल जुगसता, मो. रियाज, समीता सिंह, हामिद अली, रामकुमार यादव, अमित त्यागी, मंगल सिंह यादव, अशोक, मो. सज्जाद, वेद प्रकाश, कासिम प्रधान, सुहैल अबरार, मो. शफीक, मो. वहीद, एमडी खान, विद्या सिंह, आमिर महमूद, इरफान खान, संजीव गुर्जर सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# क्षेत्र से आए लोगों की विधायक ने समस्या का किया समाधान

खुर्जा/बुलंदशहर (सब का सपना):- जनपद के खुर्जा स्थित अपने कैंप कार्यालय पर विधायक मीनाक्षी सिंह ने खुर्जा विधानसभा के सम्मानित क्षेत्रवासियों, भाजपा पदाधिकारियों एवं देवतुल्य कार्यकताओं से शिष्टाचार भेंट की एवं उनकी समस्याओं से अवगत होकर समसयाओं के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध तरीके से समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि

क्षेत्रवासियों का स्नेह और विश्वास ही हमारी ताकत है और जनसेवा ही हमारा संकल्प है।

# भाकियू अन्नदाता के कार्यकताओं ने मुख्यमंत्री के नाम नायब तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना)मुकेश आर्यः- भाकियू अन्नदाता के कार्यकताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष महेश मीणा के नेतृत्व में एक ज्ञापन एसडीएम की अनुपस्थिति में नायब तहसीलदार अक्षय दहिया को मुख्यमंत्री के नाम सौंपा गया। ज्ञापन में कहा गया है कि शिकारपुर तहसील क्षेत्र के विभिन्न गांवों में ओलावृष्टि से हुई फसल क्षति,बिजली के स्मार्ट मीटर न लगाने एवं निजी स्कूलों की मनमानी पर रोक लगाने की मांग की गई है। हाल ही में हुई भारी ओलावृष्टि के कारण क्षेत्र की फसलों को अत्यधिक नुकसान हुआ है। गेहूं, सरसों एवं अन्य खड़ी फसलें पूरी तरह से नष्ट हो गई हैं, जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति अत्यंत दयनीय हो गई है।साथ ही, क्षेत्र में बिजली के स्मार्ट मीटर लगाए

जा रहे हैं, जिनसे किसानों को अनावश्यक आर्थिक बोझ उठाना पड़ रहा है। किसान इसका विरोध करते हैं ग्रामीण क्षेत्रों में स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया को रोका जाए।इसके अतिरिक्त, निजी स्कूलों द्वारा मनमाने ढंग से महंगी किताबें लगाई जा रही हैं, जिससे अभिभावकों पर आर्थिक भार बढ़ रहा है। सभी स्कूलों में केवल एनसीईआरटी की किताबें अनिवार्य की जाएं तथा निजी स्कूलों की मनमानी पर सख्त रोक लगाई जाए। राष्ट्रीय अध्यक्ष महेश मीणा ने कहा है कि प्रभावित क्षेत्र का शीघ्र सर्वे कराया जाए।किसानों को उचित मुआवजा प्रदान किया जाए।कृषि ऋण में राहत दी जाए।ग्रामीण क्षेत्रों में स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया पर रोक लगाई जाए।सभी स्कूलों में ठउएफ्ळ की किताबें अनिवार्य की जाएं।निजी स्कूलों की मनमानी पर सख्त कार्रवाई की जाए। तथा किसानों एवं आम जनता की इन गंभीर समस्याओं को ध्यान में रखते हुए शीघ्र उचित कार्यवाही मांग की है। इस मौके पर महेश मीणा राष्ट्रीय रमेश प्रजापति, ठाकुर केपी सिंह बंसी वाले जिलाध्यक्ष किसान मोर्चा आसिफ बबली सैफी राजीव चौधरी हुकम सिंह गौतम बैधजी, नीरज प्रजापति हरीश पंडित राकेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

# गुलावठी में लोजपा (रामविलास) जिला महासचिव का जोरदार स्वागत

गुलावठी/बुलंदशहर (सब का सपना) :- लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के बुलंदशहर जिला महासचिव खुर्शीद आलम एवं नूरुद्दीन कुरैशी के आगमन पर गुलावती नगर में समाजसेवी सचिन वर्मा के नेतृत्व में कार्यकताओं द्वारा दोनों नेताओं का जोरदार स्वागत किया गया।

इस दौरान उपस्थित लोगों ने दोनों नेताओं को पटका पहनाकर उनका अभिनंदन किया और सम्मान प्रकट किया। अपने स्वागत से गदगद जिला महासचिव खुर्शीद आलम ने कहा कि पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता का सम्मान पार्टी का संस्कार है। उन्होंने कहा कि आने वाले विधानसभा

चुनाव में पार्टी अपने प्रत्याशी खड़ा करेगी और जीत हासिल कर सत्ता में भागीदारी करेगी।

इस दौरान कार्यक्रम संयोजक सचिन वर्मा स्वर्णकार ने कहा कि लोक जनशक्ति पार्टी जाति धर्म से ऊपर उठकर जन-जन का सम्मान करने वाली पार्टी है।

जो राष्ट्रहित के मुद्दों पर लगातार काम कर रही है।

इस कार्यक्रम में दर्जनों की संख्या में पार्टी कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग मौजूद रहे। जिला महासचिव ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया।

# अंबेडकर जयंती के दृष्टिगत थाना खुर्जा नगर परिसर में की गयी पीस कमेटी की मीटिंग

बुलंदशहर (सब का सपना):- जनपद के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह के निर्देशानुसार थाना खुर्जा नगर परिसर में क्षेत्राधिकारी खुर्जा शोभित कुमार द्वारा अंबेडकर जयंती के दृष्टिगत आपसी सौहार्द व भाईचारा बनाये रखने हेतु सर्व-समाज की बैठक आयोजित की गयी जिसमे सभी वर्गो के लोगों तथा अंबेडकर जयंती पर होने वाले कार्यक्रम के आयोजको द्वारा भाग

लिया गया । इस गोष्ठी मे उपस्थित अधिकारीगण द्वारा आयोजनकर्ता से कहा गया कि त्यौहार को परम्परागत रुप से मनाया जाये कोई भी नयी परम्परा शुरू न की जाये ।

सभी लोगो से मिलजुल कर रहने तथा त्यौहार को शान्तिपूर्ण रुप से मनाने एवं आपसी सौहार्द व भाईचारा बनाये रखने की अपील की गयी जिस पर गोष्ठी मे मौजूद सभी वर्गो के संभ्रान्त लोगो द्वारा मिल जुलकर रहने व शान्ति बनाये रखने का आश्वासन दिया गया । इस अवसर पर प्रभारी निरीक्षक खुर्जा नगर मौजूद रहे ।

## फतेहगढ़ साहिब में कांग्रेस जिला प्रधान ने टिकट पर किया बड़ा दावा

पंजाब : पंजाब में 2027 विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक गतिविधियां तेज होती नजर आ रही हैं। पंजाब विधानसभा चुनाव में अगले साल होने जा रहे और पंजाब पॉलिटिकल पर कांग्रेस के भीतर दावेदारी की दौड़ तेज हो गई है। इसी बीच फतेहगढ़ साहिब से कांग्रेस के जिला प्रधान सुरिंदर सिंह रामगढ़ का एक बयान चर्चा में आ गया है। उन्होंने कुलजीत नागरा को पार्टी टिकट देनेका दावा किया है। कांग्रेस जिला प्रधान ने साफ संकेत देते हुए कहा कि पूर्व विधायक कुलजीत नागरा को पार्टी की ओर से टिकट दिए जाने की संभावना तय मानी जा रही है। उन्होंने कहा कि, कुलजीत सिंह नागरा की टिकट किसी भी कीमत काटी नहीं जाएगी, इनकी टिकट पक्की है। नागरा वर्किंग कमेटी के मैंबर हैं और बाहर की संगठन सिर्जन के कई स्टेटों के इंचार्ज रहे हैं। वहीं इस टिकट के अन्य दावेदार इशरप्रीत सिंह सिद्धू जोकि NSUI के प्रधान हैं। बताया जा रहा है कि, इशरप्रीत सिंह ने पहले राहुल गांधी और अब पंजाब प्रभारी भूपेश बघेल के साथ तस्वीरें साझा करके फतेहगढ़ साहिब सीट से अपनी दावेदारी ठोकी है। लेकिन, जिला प्रधान सुरिंदर सिंह ने NSUI से जुड़े इशरप्रीत सिंह को सलाह दी कि वे अपनी राजनीतिक गतिविधियां पार्टी की मयार्दा के भीतर ही रखें। रामगढ़ ने अनुशासन को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए यह भी कहा कि यदि पार्टी लाइन से हटकर कोई कदम उठाया गया तो इसकी शिकायत हाईकमान तक पहुंचाई जाएगी। उन्होंने बताया कि इस संबंध में संबंधित नेता को संदेश भी भेजा जा चुका है। पंजाब विधानसभा चुनाव में कुछ ही महीने बचे हैं और फतेहगढ़ साहिब सीट पर कांग्रेस के भीतर दावेदारी की दौड़ तेज हो गई है।

## कोटकपूरा गोलीकांड केस की सुनवाई अब चंडीगढ़ में, हाईकोर्ट का बड़ा आदेश

चंडीगढ़ः कोटकपूरा गोलीकांड से जुड़ी बड़ी खबर सामने आई है। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने इस मामले में अहम आदेश जारी करते हुए केस को चंडीगढ़ की जिला अदालत में ट्रांसफर कर दिया है। जानकारी के अनुसार, आरोपी पूर्व पुलिस अधिकारी चरणजीत शर्मा और परमराज उमरानंगल द्वारा दायर याचिका में मांग की गई थी कि मामले को पंजाब से बाहर किसी निष्पक्ष अदालत में स्थानांतरित किया जाए। क्या है मामला? साल 2015 में बेहबल कलां और कोटकपूरा में हुई बेअदबी की घटनाओं के बाद शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रही संगतों पर पुलिस द्वारा फायरिंग की गई थी। इस घटना में कई लोग घायल हुए थे, जबकि दो सिख युवकों की मौत हो गई थी। इस मामले की जांच के लिए गठित एसआईटी (SIT) ने पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल, सुखबीर सिंह बादल सहित कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को नामजद किया था। निष्पक्ष सुनवाई की उम्मीद हाईकोर्ट का मानना है कि केस को चंडीगढ़ स्थानांतरित किए जाने से ट्रायल में तेजी आएगी और निष्पक्ष सुनवाई सुनिश्चित हो सकेगी। इस फैसले के बाद पंजाब की सियासत में एक बार फिर हलचल तेज होने की संभावना है, क्योंकि यह मामला लंबे समय से भावनात्मक और राजनीतिक रूप से संवेदनशील रहा है। अब फरीदकोट अदालत से केस का पूरा रिकॉर्ड चंडीगढ़ की सत्र अदालत में भेजा जाएगा, जहां इस मामले की अगली सुनवाई होगी।

# शराब का ठेका बंद करो, सरकार होश में आओ जैसे नारों से गूंजा इलाका, लोगों का उग्र प्रदर्शन

लुधियाना : पवेलियन मॉल के नजदीक और चर्च के बाहर शराब का ठेका खोले जाने को लेकर स्थानीय लोगों में भारी रोष देखने को मिला। ठेका खुलने की खबर फैलते ही इलाके के निवासी बड़ी संख्या में मौके पर एकत्र हो गए और इसके खिलाफ जोरदार प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने सरकार और प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए ठेका तुरंत बंद करने की मांग उठाई। मिली जानकारी के अनुसार, चब्बरा ग्रुप द्वारा यहां नया शराब का ठेका खोला जा रहा था, जो एक तरफ रिहायशी इलाके और दूसरी तरफ चर्च के बिल्कुल पास स्थित है। इस कारण लोगों में गहरी नाराजगी है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि धार्मिक स्थल के बाहर इस तरह का ठेका खोलना न केवल आस्था के खिलाफ है, बल्कि इससे इलाके का सामाजिक माहौल भी बिगड़ सकता है। प्रदर्शन में महिलाओं की भी बड़ी भागीदारी देखने को मिली। महिलाओं ने खुलकर विरोध जताते हुए कहा कि इस रास्ते से रोजाना बच्चे, बुजुर्ग और परिवार गुजरते हैं, ऐसे में शराब का ठेका

खुलना सुरक्षा और समाज दोनों के लिए खतरा बन सकता है। उन्होंने प्रशासन से तुरंत इस फैसले को वापस लेने की मांग की।

विरोध के दौरान स्थिति उस समय और गंभीर हो गई जब प्रदर्शनकारियों ने सड़क पर जाम लगा दिया। इसके चलते एक साइड की आवाजाही पूरी तरह से बंद कर दी गई, जबकि दूसरी ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। काफी देर तक ट्रैफिक व्यवस्था प्रभावित रही और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।मौके पर ठेका बंद करो, सरकार होश में आओ और धार्मिक स्थलों का सम्मान करो जैसे नारों से पूरा इलाका गूंज उठा। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि अगर जल्द ही ठेका बंद नहीं कराया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा और बड़े स्तर पर संघर्ष किया जाएगा। हालांकि, देर तक चले इस हंगामे के बावजूद प्रशासन की ओर से कोई ठोस बयान सामने नहीं आया है। लोगों की मांग है कि प्रशासन तुरंत हस्तक्षेप कर इलाके में शांति बनाए रखने के लिए उचित कदम उठाए।

# जालंधर में पीएनबी बैंक में लूट का मामला, पूर्व डीएसपी के बेटे ने पूछताछ में किया खुलासा

जालंधर : कुक्की ढाब में पीएनबी में हुई लूट के मामले में गिरफ्तार किए पूर्व डी.एस.पी. के बेटे से पूछताछ की बड़ा खुलासा हुआ। सूत्रों की माने तो पुलिस की पूछताछ में पता लगा कि पूर्व डी.एस.पी. के बेटे पर नशा तस्करों का उधार चढ़ गया था। वह नशा उधर में लेता था लेकिन आमदन न होने के कारण वह उधार उतार नहीं पाया जबकि नशा तस्कर उससे लगातार अपने पैसे मांग रहे थे। इसी के चलते सिमरनजीत सिंह निवासी ग्रीन मॉडल टाऊन ने अपने पुराने नौकर दीपा को साथ मिला कर बैंक में लूट की साजिश रची। दोनों को पता था कि बैंक मेंकोई सिक्योरिटी गार्ड भी नहीं है। ऐसे में सिमरनजीत सिंह ने अपने पूर्व डी.एस.पी. पिता की सर्विस रिवॉल्वर कर सोमवार को

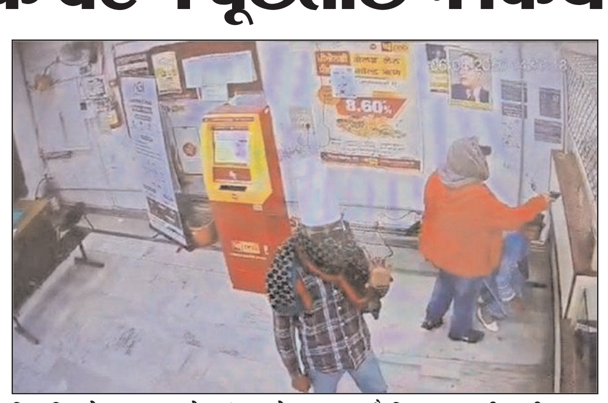

दिन दिहाड़े वारदात को अंजाम दे दिया।उधर इस मामले में फरार चल रहे दीपा की तलाश में पुलिस ने कई स्थानों पर छापेमारी की। दीप की गिरफ्तारी के साथ साथ उससे बाकी के 3 लाख रुपए बरामद करने है। पुलिस के उच्च अधिकारियों का कहना है कि लगातार दीपा की तलाश की जा रही है। वहीं तीन दिन के रिमांड पर लिए सिमरनजीत सिंह से पुलिस पूछताछ कर रही है।बता दें कि सोमवार दोपहर नकाबपोश दो लुटेरों ने कुक्की ढाब में बैंक में घुस कर कैशियर को गन प्वाइंट पर लेकर करीब 6 लाख रुपए लूट लिए थे। वारदात की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू की तो रास्ते में कपड़े बदलने और नकाब हटाने के बाद नकोदर रोड की तरफ जाते लुटेरे सी.सी.टी.वी. कैमरों में कैद हो गए थे। पुलिस ने मल्टीपल सोर्सेस और टेक्निकल सोर्सेस की मदद से सिमरनजीत सिंह को गिरफ्तार कर लिया जो पूर्व डीएसपी का बेटा निकला। आरोपी ने पूछताछ में माना कि उसने यह वारदात अपने पुराने नौकर दीपा के साथ मिल कर की थी। पुलिस ने सिमरनजीत सिंह से लूटे हुए पैसों से तीन लाख रूपए और वारदात में इस्तेमाल की पिस्टल व तीन गोलियां बरामद की थी। आरोपी सिमरनजीत खिलाफ फ्रॉड और नशे का एक एक केस दर्ज था।

## पंजाब के जिला मोगा के स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी, बच्चों को भेजा घर

मोगाः पंजाब भर में स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकियों के बीच मोगा में भी एक संवेदनशील मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार आज मोगा के 3 निजी स्कूलों को धमकी भरी ईमेल प्राप्त हुई, जिससे

इलाके में हड़कंप मच गया। इनमें गांव महिमे वाला के पास स्थित नारायणा स्कूल सहित अन्य दो प्राइवेट स्कूल शामिल हैं। ईमेल में स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। जैसे ही स्कूल प्रबंधन को इसकी जानकारी मिली, तुरंत पुलिस को सूचित किया गया। स्कूल के प्रिंसिपल ने बताया कि सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए तुरंत स्कूल खाली करवाया गया और बच्चों को घर भेज दिया गया। साथ ही अभिभावकों को फोन कर बच्चों को स्कूल से ले जाने के लिए कहा गया। सूचना मिलते ही पुलिस टीमें मौके पर पहुंचीं और स्कूलों की पूरी तलाशी ली गई। फिलहाल किसी भी तरह की संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है, लेकिन सुरक्षा एजेंसियों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। इस घटना के बाद मोगा के अन्य स्कूलों में भी दहशत का माहौल है। उल्लेखनीय है कि बीते दिनों मोगा के कुछ सरकारी स्कूलों को भी इसी तरह की धमकियां मिल चुकी हैं, जिससे प्रशासन की चिंता बढ़ गई है।

# दिल और दिमाग को रखे फिट तरबूज के बीज

गर्मी का मौसम यानी तरबूज का मौसम। बेशक गर्मियों में आप भी खूब तरबूज खाते होंगे, लेकिन उनके बीजों का आप क्या करते हैं? जैसा कि कहा जाता है कि 'आम के आम और गुठलियों के भी दाम' उसी प्रकार तरबूज का सेवन तो हमारे स्वास्थ्य और सौंदर्य दोनों के लिए फायदेमंद होता है, साथ ही इसके बीज भी बहुत गुणकारी होते हैं।
तरबूज के बीज मोनोअनसैचुरेटेड और पॉलीअनसेचुरेटेड फैटी एसिड का एक अच्छा स्रोत हैं। ये एंटीऑक्सिडेंट और एंटी इंफ्लेमेटरी एजेंट के रूप में कार्य करते है तथा हृदय को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये स्ट्रोक और दिल के दौरे से बचाने में मदद करते हैं। इसमें मौजूद मैग्नीशियम की मात्रा रक्तचाप को नियंत्रित करने तथा आयरन शरीर के विभिन्न भागों में उचित ऑक्सीजन की आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद करता है। अगर आप तरबूज के बीजों को फेंक देते हैं, तो आपको जरूर जानना चाहिए, तरबूज के बीजों से होने वाले खास 7 फायदे-

- तरबूज के बीजों को छीलकर अंदर की गिरी खाने से शरीर में ताकत आती है। मस्तिष्क की कमजोर नसों को बल मिलता है, टखनों के पास की सूजन भी ठीक हो जाती है। ये दिमाग और दिल को भी स्वस्थ रखने में कारगर है।
- इसमें मौजूद डायट्री फाइबर पाचन तंत्र को दुरुस्त रखने में मदद करते हैं और पाचन संबंधी समस्याओं को समाप्त करने में सहायक होते हैं। कब्जियत की समस्या में भी यह बेहद लाभकारी है।
- पीलिया (जॉन्डिस) जैसी समस्याएं होने पर तरबूज के बीजों का सेवन बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है। इसके अलावा संक्रमण से बचाए रखने में भी मददगार है।
- इसमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो त्वचा के लिए फायदेमंद है। नसों के फैलने की समस्या में भी यह लाभकारी है और तनाव की अधिकता में इनका सेवन तनाव में कमी लाता है।
- तरबूज के बीजों से बनने वाली चाय का नियमित रूप से सेवन करने पर आप किडनी की समस्याओं से बचा जा सकता है। किडनी स्टोन या पथरी होने पर भी यह फायदेमंद है।
- तरबूज के बीजों को चबा-चबाकर चूसने से दांतों के पायरिया रोग में लाभ होता है।
- तरबूज के बीजों की गिरी में मिश्री, सौंफ, बारीक पीसकर मिलाकर खाने से गर्भ में पल रहे शिशु का विकास अच्छा होता है।
- तरबूज के बीज आपकी सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। यह आपके शरीर के अंगों को बेहतर बनाकर स्वास्थ्य रहने के लिए प्रेरित करते हैं। आप चाहें तो इन्हें किसी भी रूप में पकाकर खा सकते हैं, या फिर इसकी चाय भी पी सकते हैं।

# बहुत फायदे हैं जैतून के तेल के

जैतून का तेल शरीर के लिए बेहद फायदेमंद होता है। जी हां, अन्य तेल के मुकाबले यह बहुत अधिक फायदे का सौदा है। शरीर पर नियमित रूप से इसका सेवन करने से शरीर को बाहरी ओर से भी कई लाभ मिलते हैं। जैतून के तेल में विटामिन ई, विटामिन के, ओमेगा-3 फैटी एसिड, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट सहित कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं। इस तेल को शरीर पर भी लगाया जाता है और सेवन भी किया जाता है। इसके सेवन से कैंसर जैसी बीमारी में आराम मिलता है। डायबिटीज मरीजों के लिए भी यह फायदेमंद है।

## याददाशत बढ़ाएं

जैतून के तेल में पॉलीफेनोल तत्व मौजूद होता है। जिसके सेवन से याददाशत संबंधित परेशानी में आराम मिलता है।

## कैंसर में राहत

कैंसर एक जीवन घातक बीमारी है। खाने में इसका सेवन करने से कैंसर संबंधित बीमारी को कम किया जा सकता है। इसमें विटामिन डी, विटामिन ई, विटामिन ए और बी-कैरोटीन मुख्य रूप से पाया जाता है।

## त्वचा को बनाएं चमकदार

बेजान स्किन को चमकदार बनाने के लिए जैतून के तेल से रोजाना अच्छे से मालिश करें। एक सप्ताह बाद ही आपकी ड्राई स्किन से आपको निजात मिल जाएगी।

## दर्द में राहत

हड्डियों में लगातार दर्द होने पर आप जैतून के तेल से भी मालिश कर सकते हैं। इसमें मौजूद तत्व से आपको आराम मिलेगा। ऑस्टियोपोरोसिस में राहत मिलेगी।

## बालों को बनाएं मजबूत

जैतून के तेल में विटामिन ई मौजूद होता है। जो बालों के लिए सबसे जरूर तत्व है। इससे बाल मजबूत रहते हैं। जैतून का तेल बालों में कंडीशनर का काम करता है। आप तेल लगाकर गर्म पानी की भाप ले सकते हैं। जिससे बाल शाइनी और मजबूत होंगे।

# गीली-सूखी मिट्टी की सौंधी सुगंध के अलावा कई अचूक फायदे हैं

अक्सर देखा जाता है कि जब कोई जानवर बीमार होता है तो रोग की दशा में पृथ्वी की शक्ति का वह खास तौर पर उपयोग करता है। घायल हुए जानवर तालाब या पोखर के कीचड़ में जा लेटते हैं और अपने आप को स्वस्थ बना लेते हैं।

## गीली मिट्टी के लाभकारी प्रयोग

महीन पिसी हुई मिट्टी को पानी के साथ घोलकर कीचड़ जैसा बना लें एवं उसको शरीर पर लेपकर सुखा लीजिए, कुछ देर बाद मिट्टी सूखने लगती है। फिर ठंडे या गुनगुने पानी से स्नान कर लेने से अनेक रोग दूर हो जाते हैं।

## मिट्टी चिकित्सा के अन्य प्रयोग

रोग होने पर आवश्यकतानुसार निम्नलिखित प्रयोगों से उपचार किया जाता है।
(1) मिट्टी की गरम पट्टी (2) मिट्टी की ठंडी पट्टी
(3) गरम मिट्टी की पट्टी (4) रज स्नान
(5) पंक स्नान (6) बालू भक्षण।

## सूखी मिट्टी के लाभकारी प्रयोग

बिजली के मारे या सांप के काटे हुए व्यक्ति को यदि जमीन में करीब दो हाथ गहरा गड्ढा खोदकर उसमें बैठा दिया जाए और गीली मिट्टी से गर्दन और सिर खुला रखकर उसे भर दिया जाए तो 1 से 24 घंटे तक में रोगी के शरीर से जहर निकल जाएगा और वह मरने से बच जाएगा। शुद्ध साफ मिट्टी को कपड़ा छानकर लीजिए और उसे पूरे अंग पर रगड़िए। पूरे शरीर पर रगड़ने के बाद 10 से 20 मिनट धूप में बैठ जाइए। तत्पश्चात शीतल जल से स्नान कर लें। यह सूखी मिट्टी का स्नान है।
**लाभ** - त्वचा नरम, लचीली एवं कोमल हो जाती है। रोमकूप खुल जाते हैं। इससे शरीर के विजातीय तत्व पसीने के रूप में बाहर आने लगते हैं। त्वचा के छिद्र भरपूर श्वास लेने लायक हो जाते हैं जिससे त्वचा के अनेक रोग, चर्मरोग, दाद, खाज-खुजली, फोड़े-फुंसियां दूर होने लगती हैं। आयुर्विज्ञान में इसको रज स्नान कहा गया है।
छान्दोग्य उपनिषद् में मिट्टी को अन्य पंच तत्वों जल, पावक, गगन तथा समीर का सार कहा गया है। स्वास्थ्य सौन्दर्य और दीर्घायु का मिट्टी से प्रगाढ़ सबंध होता है। मिट्टी में अनेक रोगों के निवारण की अद्भुत क्षमता होती है। मिट्टी में अनेकों प्रकार के क्षार, विटामिन्स, खनिज, धातु, रासायन रत्न, रस आदि की उपस्थिति उसे औषधीय गुणों से परिपूर्ण बनाती है। औषधियां कहां से आती है? जबाब होगा पृथ्वी, मतलब सारे के सारे औषधियां के भंडार होता पृथ्वी। अतः जो तत्व औषधियों में है, उनके परमाणु पहले से ही मिट्टी में उपस्थित रहते हैं। मिट्टी कई प्रकार की होती है तथा इसके गुण भी अलग-अलग होते हैं। उपयोगिता के दृष्टिकोण से पहला स्थान काली मिट्टी का है, उसके बाद पीली, सफेद और उसके बाद लाल मिट्टी का स्थान है। मिट्टी के विभिन्न प्रकारों और उनकी उपयोगिता को ध्यान में रखकर मिट्टी का चयन करना चाहिए। इसके उपयोग के पहले कुछ बातें जरूर ध्यान में रखें...

- मिट्टी चाहे किसी भी रंग या प्रकार की हो, उसका प्रयोग करते समय यह सुनिश्चित कर लें कि वह साफ-सुथरी हो, उसमें कंकड़, पत्थर, तिनके आदि न हों।
- जहां से मिट्टी लें वह स्थान भी साफ सुथरा होना चाहिए किसी कूड़े के ढेर के पास से मिट्टी न लें। यदि किसी खेत से मिट्टी ली जाए तो एक या डेढ़ फीट जगह खोदकर ही लेनी चाहिए।
- तालाब या नदी के तट की मिट्टी बहुत लाभदायक होती है। दो पकार की मिट्टियों को मिलाकर भी प्रयोग किया जा सकता है। बालू मिश्रित मिट्टी बहुत उपयोगी होती है।

## विभिन्न किस्म की मिट्टी के प्रयोग

### काली मिट्टी

यह मिट्टी चिकनी और काली होती है। इसके लेप से ठंडक पहुंचती है। साथ ही यह विष के प्रभाव को भी दूर करती है। यह सूजन मिटाकर तकलीफ खत्म कर देती है। जलन होने, घाव होने, विषैले फोड़े तथा चर्मरोग जैसे खाज में काली मिट्टी विशेष रूप से उपयोगी होती है। रक्त के गंदा होने और उसमें विषैले पदार्थों के जमाव को भी यह मिट्टी कम करती है। पेशाब रुकने पर यदि पेडू के ऊपर (पेट की नीचे) काली मिट्टी का लेप किया जाता है तो पेशाब की रुकावट समाप्त हो जाती है और वह खुलकर आता है। मधुमक्खी, कनखजूर, मकड़ी, बर्रे और बिच्छू के द्वारा डंक मारे जाने पर प्रभावित स्थान पर तुरंत काली मिट्टी का लेप लगाना चाहिए इससे तुरंत लाभ पहुंचता है।

### पीली, सफेद व लाल मिट्टी

तालाबों तथा नदियों के किनारे पाई जाने वाली यह मिट्टी भी काली मिट्टी के समान ही लाभकारी होती है। सफेद मिट्टी से होने वाले लाभ भी पीली मिट्टी के समान ही हैं। लाल मिट्टी पहाड़ों पर मिलती है। इसके लाभ सफेद मिट्टी से कुछ कमतर होते हैं।

### सज्जी मिट्टी

इस मिट्टी के प्रयोग से शरीर की पूरी तरह सफाई हो जाती है। यदि हड्डियां भंगुर और टूटती-सी प्रतीत होती हों तो इस मिट्टी के लेप से बहुत लाभ होता है। जोड़ों के दर्द में इस मिट्टी के लेप से विशेष लाभ पहुंचता है।

### गेरू मिट्टी

लाल रंग की इस मिट्टी का प्रयोग मिट्टी खाने वाले बच्चों को मिट्टी के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए किया जाता है। गेरू को घी में तलकर शहद मिलाकर देने से बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार आता है। जिनका स्वास्थ्य मिट्टी खाने की आदत के कारण बिगड़ गया है।

### गोपी चन्दन

सफेद रंग की मिट्टी का लेप मस्तक पर लगाने से दिमाग की गरमी दूर होती है। सिर चकराने तथा सिर दर्द जैसी समस्याओं का निवारण भी इससे हो जाता है। मुंह में छाले होने की स्थिति में, पहले इस का लेप लगाना चाहिए तथा आधे घंटे बाद सादे पानी से कुल्ले कर लेने चाहिएं, छाले दूर हो जाएंगे।

### मुल्तानी मिट्टी

गर्मियों में होने वाली घमौरियों के उपचार में मुल्तानी मिट्टी अचूक औषधि है। शरीर पर इसका पतला-पतला लेप खून की गर्मी को कम करता है। उबटन की तरह मुल्तानी मिट्टी का पयोग सुख और शरीर की कान्ति बढ़ाता है। तेज बुखार में तापमान तुरंत नीचे लाने के लिये सारे शरीर पर इसका मोटा-मोटा लेप करना चाहिए। सौंदर्य के लिए इसका विष प्रयोग होता है।

### बालू

नदी या समुद किनारे की बालू शरीर की जलन, ताप तथा दाह को शांत करती है। सिर तथा मुंह को छोड़कर, सारे शरीर पर बालू चढ़ाकर घंटे भर पड़ा रहना, घबराहट, शारीरिक ताप, जलन और दाह को दूर करने का सबसे अच्छा उपाय है। आधी चिकनी मिट्टी और आधी बालू मिलाकर बनाए गए लेप की पट्टी बहुत लाभदायक होती है।

# ब्रेकफास्ट में खाएं कच्चा पनीर, पिघलेगी चर्बी

**आमतौर पर हम सभी जानते हैं कि हेल्दी ब्रेकफास्ट दिन की शुरूआत करने का सबसे अच्छा तरीका है। ब्रेकफास्ट का साफ मतलब है फास्ट को ब्रेक करना। दरअसल, जब हम रात में सोते हैं, तो हमारी बॉडी 8 से 10 घंटे के फास्ट पर रहती है। इसलिए सुबह उठने के बाद शरीर को पोषण की जरूरत होती है। नाश्ते में कई तरह के पोषक तत्वों से भरपूर आहार लेने से मेटाबोलिज्म बढ़ता है। सिर्फ यही नहीं वजन भी कंट्रोल होता है और हड्डियां मजबूत होती हैं। हेल्दी ब्रेकफास्ट करने से जल्दी भूख नहीं लगती है। इसके लिए पनीर को एक बढ़िया ऑप्शन माना जाता है।**

पनीर में भरपूर मात्रा में प्रोटीन पाया जाता है। नाश्ते में इसका सेवन करने से लंबे समय तक पेट भरा रहता है। इसके अलावा यह धीरे-धीरे पचता है। साथ ही GLP-1, PYY और CCK हार्मोन को बढ़ाता है। प्रोटीन के अलावा पनीर में फैट, आयरन, कैल्शियम और मैग्नीशियम पाया जाता है। यह सेहत के लिए फायदेमंद है।

## पूरे दिन रखे एक्टिव

पनीर कई तरह के पोषक तत्वों से भरपूर होता है। यह वजन को कंट्रोल करता है और पूरे दिन हमें एक्टिव रखता है। रोजाना ब्रेकफास्ट में 150 से 200 ग्राम पनीर का सेवन करने से सेहत अच्छी रहती है। दिन की शुरूआत करने के लिए पनीर हेल्दी ऑप्शन है।

## कम कार्बोहाइड्रेट

गाय के दूध के 100 ग्राम पनीर में 12 ग्राम कार्बोहाइड्रेट पाया जाता है। यह वजन घटाने वालों के लिए फायदेमंद है। पनीर का सेवन करने से बॉडी फैट नहीं बढ़ता है। 28 ग्राम पनीर में लगभग 825 कैलोरी पाई जाती है।

## कैल्शियम से भरपूर

दांतों और हड्डियों को मजबूत रखने के लिए हमारे शरीर को पर्याप्त कैल्शियम की आवश्यकता होती है। पनीर में भरपूर मात्रा में कैल्शियम पाया जाता है। यह हड्डियों को स्वस्थ रखने में मदद करता है।

## वजन घटाने में फायदेमंद

मोटापा कम करने के लिए अधिक मात्रा में प्रोटीन का सेवन करना चाहिए। इससे लंबे समय तक भूख नहीं लगती और बार-बार खाने की इच्छा नहीं होती है। शाकाहारी लोगों के लिए पनीर एक बेहतर विकल्प है।

## रोगों को करे दूर

डायबिटीज से पीड़ित लोगों के लिए पनीर फायदेमंद है। इसमें ओमेगा 3 अधिक मात्रा में पाया जाता है जो बच्चों के मानसिक विकास के लिए अच्छा है। इसके अलावा यह हृदय रोगियों के लिए भी फायदेमंद है। पनीर ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित रखने में मदद करता है। इसलिए वजन घटाने और हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए रोजाना नाश्ते में पनीर का सेवन करना चाहिए। इससे शरीर को पर्याप्त कैल्शियम मिलता है।

# कैंसर से बचाता है मूली का सेवन

कैंसर से बचाव में मूली खासी मददगार साबित हो सकती है। द वर्ल्ड कैंसर रिसर्च फंड (डब्ल्यूसीआरएफ) और अमेरिकन इंस्टीट्यूट फॉर कैंसर रिसर्च के हालिया अध्ययन में यह दावा किया गया है। दरअसल, शोधकर्ताओं ने मूली में भारी मात्रा में 'ग्लूकोसाइनोलेट' और 'आइसोथायोसाइनेट' की मौजूदगी दर्ज की है। ये दोनों ही यौगिक न सिर्फ कैंसर कोशिकाओं के विकास में बाधा डालते हैं, बल्कि उनके खात्मे की प्रक्रिया को भी गति प्रदान करते हैं। मूली 'सिनिग्रिन' नाम के एक एंटीऑक्सीडेंट से भी लैस होती है। यह एंटीऑक्सीडेंट फ्री-रैडिकल के उत्पादन पर लगाम लगाने में अहम भूमिका निभाता है। मुख्य शोधकर्ता एडम चैपमैन के मुताबिक फ्री-रैडिकल स्वस्थ कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं। ये कोशिकाओं में अनियंत्रित विभाजन का भी सबब बनते हैं, जिससे ट्यूमर पनपने का खतरा बढ़ जाता है। अध्ययन में 500 प्रतिभागी शामिल हुए। आधों की रोजमर्रा की डाइट में मूली शामिल की गई। वहीं, बाकियों को सामान्य खानपान जारी रखने की छूट की गई। चार महीने बाद नियमित रूप से मूली का सेवन करने वाले प्रतिभागियों में फ्री-रैडिकल के उत्पादन में भारी कमी देखी गई। इससे उनके आंत, फेफड़े और पेट के कैंसर का शिकार होने का जोखिम भी काफी हट तक घट गया।

# आइसक्रीम खाने से कम होता है तनाव और मोटापा

मौसम कोई भी आइसक्रीम खाने तो मजा ही कुछ और है। आइसक्रीम कई प्रकार के फ्लेवर में आती है जिसका टेस्ट बहुत यम्मी-यम्मी स्वाद होता है और आइसक्रीम का नाम सुनते ही बच्चों से लेकर बडों तक के मुंह में पानी आ जाता है। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि आइसक्रीम हमारी सेहत के लिए बहुत लाभकारी है। आइसक्रीम में विटामिन, कैल्शियम व प्रोटीन की भरपूर मात्रा होती है। एक रिसर्च के अनुसार सुबह-सुबह नाश्ते में आइसक्रीम खाना दिमाग के लिए काफी अच्छा माना जाता है। इससे मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहता है। ये अध्ययन क्योंरीन यूनिवर्सिटटी के प्रोफेसर कोगा के सहयोग से की गई। जिसमें कहा गया है कि सुबह उठकर आइसक्रीम खाने से मानसिक तौर पर तनाव कम देखा गया। रिसर्च में एक ऐसे व्यक्ति के दिमाग की सक्रियता की तुलना की जिसे तुरंत सुबह उठने के बाद आइसक्रीम दी गई। इसके अलावा एक ऐसे व्यक्ति के ब्रेन की गतिविधियों को भी देखा गया जिसे सुबह नाश्ते में आइसक्रीम नहीं दी गई। अध्ययन में पता चला कि जिस व्यक्ति को सुबह आइस्क्रीम दी गई थी उसकी सक्रियता बेहतर थी। प्रोटीन-मिल्क के अन्य उत्पादों की तरह आइसक्रीम प्रोटीन का अच्छा स्त्रोत है। प्रोटीन से बॉडी के हर पाटर्समांसपेशियां, त्वचा, हड्डियों, ब्लड के लिए लाभ होता है। प्रोटीन खाने से ऊतक और मांसपेशियां स्ट्रॉन्ग होती है। विटामिन स्त्रोत-आइसक्रीम में विटामिन ए, बी-2 और बी-12 खूब पाये जाते हैं। विटामिन ए, स्किन, बॉन्स, रोगप्रतिरोधक क्षमता के लिए बेस्ट होता है। विटामिन ए आंखों की रोशनी बढाता है। विटामिन ए से मजबूत हडिड्यां, स्वस्थ त्वचा, स्वस्थ दांत, व आंखें, बाल की देखभाल विकास के लिए बहुत ही आवश्यक है इसकी एक संतुलित मात्रा शरीर में जानी चाहिए, क्योंकि यह शरीर में एकत्र होता रहता है यदि हमारे शरीर में विटामिन ए की अधिक मात्रा ऊतकों को आक्सीराइज्ड करती है तथा अधिक उम्र कारण बनती है व्यक्ति अपनी उम्र से अधिक दिखने लगता है। आइसक्रीम खाने से शरीर में कैल्शियम की मांग पूरी हो जाती है परन्तु कैल्शियम की शरीर में पूर्ति के लिए दूध के अलावा दूध से बने पदार्थ मक्खन, आइसक्रीम पनीर, दही आदि का सेवन करना चाहिए। कैल्शियम केवल हड्डियों के लिए नहीं होता है बल्कि यह मोटापा भी घटाता है।

## मुझे एयरोफोबिया है और मैं थेरेपी लेने पर विचार कर रहा हूं

टाइगर श्रॉफ की गिनती इंडस्ट्री के एक्शन एक्टर्स में से होती है। वो जबरदस्त स्टंट करने के लिए जाने जाते हैं। लेकिन अब टाइगर ने भी अपने एक डर के बारे में बात की, जो उनकी ऑन-स्क्रीन इमेज से बिलकुल अलग है। टाइगर का मानना है कि असल जिंदगी में उन्हें इस एक काम से बहुत डर लगता है और वो इससे निपटने के लिए थेरेपी लेने की भी सोच रहे हैं।

बातचीत में टाइगर श्रॉफ ने खुलासा किया कि उन्हें एयरोफोबिया है। एक्टर ने बताया कि उन्हें हवाई यात्रा से डर लगता है और वे इससे निपटने के लिए थेरेपी लेने पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं दरअसल एक थेरेपिस्ट के पास जाने की योजना बना रहा हूं, क्योंकि मुझे एयरोफोबिया है। कुछ साल पहले मैं एक बहुत ही टर्बुलेंट फ्लाइट में था और टर्बुलेंट फ्लाइट पर मेरा कोई नियंत्रण नहीं होता, है ना? मैं क्या करूं? तब से, जब भी मुझे फ्लाइट में चढ़ना होता है, तो मुझे कुछ दिन पहले से ही घबराहट होने लगती है। पता नहीं क्यों, मैं अभी तक इससे उबर नहीं पाया हूं।

हालांकि, टाइगर ने माना किया हवाई यात्रा सबसे सुरक्षित यात्राओं में से एक है। उन्होंने कहा कि आंकड़े बताते हैं कि हवाई यात्रा परिवहन का सबसे सुरक्षित साधन है। मैंने कई पायलटों से बात की है, जिन्होंने कहा कि टर्बुलेंस कुछ और नहीं बल्कि ऊबड़-खाबड़ सड़कों जैसी होती है। वे मुझे यही उदाहरण देते रहते हैं। लेकिन मेरे दिमाग को यह कौन समझाएगा? जब ऐसा होता है, तो कहानी बिल्कुल अलग होती है। काश, मेरा इस पर कंट्रोल होता। मुझे अपने शरीर के हर हिस्से को कंट्रोल करना अच्छा लगता है। मुझे यह जानना अच्छा लगता है कि मैं क्या कर रहा हूं।

अभिनेता ने यह भी स्वीकार किया कि अत्यधिक सोचने की आदत उनके जीवन के अन्य पहलुओं पर भी असर डालती है। उन्होंने कहा कि कभी-कभी यह बहुत निराशाजनक होता है, क्योंकि मैं कई बार बहुत कन्फ्यूज हो जाता हूं और कोई भी फैसला नहीं ले पाता। यहां तक कि अपने दिन की योजना बनाने को लेकर भी ताकि मैं अपनी पूरी क्षमता का उपयोग कर सकूं।

# आज भी 'खल्लास गर्ल' कहे जाने पर खुशी होती है

ईशा कोप्पिकर किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। इस हसीन एक्ट्रेस को लोग आज भी 'खल्लास गर्ल' के नामे से पहचानते हैं। ईशा कोप्पिकर ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत साल 1997 में तेलुगू फिल्म से की थी। इसके बाद उन्होंने तमिल सिनेमा और बॉलीवुड में भी खूब काम किया। ईशा ने बीच में फिल्मों से ब्रेक लिया था, पर अब वह फिर से एक्टिव हैं। साल 2024 में वह तमिल फिल्म 'ऐलान' में नजर आईं और वेब सीरीज का भी हिस्सा रही हैं। बीते दिनों जब एक इवेंट में ईशा कोप्पिकर पहुंचीं तो मंच पर आते ही सभी ने 'खल्लास गर्ल' का शोर मचाना शुरू कर दिया। अपनी वही पुरानी मुस्कान के साथ ईशा ने कहा, 'सच कहूं तो, यह सुनकर आज भी बहुत खुशी होती है। खल्लास गाना (2002) हर किसी के लिए एक यादगार पल था। जब यह रिलीज हुआ था, तब लोगों की दीवानगी देखने लायक थी। आज भी लोग मुझे देखकर खल्लास गर्ल कहकर बुलाते हैं। हर कलाकार को ऐसा प्यार नहीं मिलता, इसलिए यह मेरे लिए गर्व की बात है।'

### बदलाव लाने के लिए राजनीति में आई

एक समय ईशा ने राजनीति में भी हाथ आजमाया था। 2019 में राजनीति से जुड़ने के सवाल पर ईशा ने कहा, 'मेरा मकसद ग्लैमर या पावर पाना नहीं था, बल्कि समाज में योगदान देना था। मैं महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर अपनी आवाज उठाना चाहती थी। आज भी मैं सक्रिय हूं और आसपास की चीजों पर नजर रखती हूं। भविष्य में कोई बड़ी जिम्मेदारी मिलेगी या नहीं, यह तो वक्त बताएगा। लेकिन मैं स्पष्ट तौर पर यह कह सकती हूं कि मेरी नीयत साफ है।'

### मुश्किल वक्त ही आपका शिक्षक होता है

ईशा का मानना है कि मुश्किलें ही इंसान को गढ़ती हैं। उन्होंने कहा, 'मुश्किल दौर आपको किसी भी गुरू या किताब से ज्यादा सिखाता है। मेरे करियर और जीवन में ऐसे कई दौर आए, जब चीजें आसान नहीं थीं और मुझे अपनी जगह बनाए रखने के लिए कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। उन्हीं पलों ने मुझे मजबूती और एक स्पष्ट सोच दी। आज मैं जो कुछ भी हूं, अपने संघर्षों की वजह से ही हूं। यह कहना गलत नहीं होगा कि महिलाएं सिर्फ मुश्किलों से बचती नहीं हैं, बल्कि उनसे लड़कर खुद को बदल लेती हैं।'

### ओटीटी पर मिलती है काम करने की आजादी

ईशा कोप्पिकर का कहना है कि ओटीटी कलाकारों के लिए आजादी लेकर आया है। साउथ और बॉलीवुड की फिल्मों और वेब सीरीज में काम कर चुकीं ईशा कहती हैं, 'हर प्लेटफॉर्म ने मुझे कुछ नया सिखाया है। साउथ इंडियन फिल्मों में अनुशासन और काम के प्रति समर्पण कमाल का है। बॉलीवुड ने मुझे पहचान और शोहरत दी। वहीं, ओटीटी पर कंटेंट बहुत बेबाक है। यहां आप किसी तरह की समयसीमा में बंधे बिना, असल और मुश्किल कहानियां दिखा सकते हैं। एक कलाकार के तौर पर यह आज़ादी बहुत मायने रखती है।'

## रामायण में भगवान परशुराम के रोल में भी दिखेंगे रणबीर

एक्टर रणबीर कपूर ने कन्फर्म किया है कि वह फिल्म रामायण में भगवान राम के साथ भगवान परशुराम के किरदार में भी दिखेंगे। इंटरव्यू में जब रणबीर से सवाल पूछा गया कि वह भगवान राम और परशुराम जैसे दो अलग-अलग स्वभाव वाले किरदारों को बॉडी लैंग्वेज और आवाज से कैसे अलग दिखा रहे हैं तो उन्होंने कहा कि भगवान विष्णु के कई अवतार रहे हैं, जिनमें भगवान राम एक अवतार हैं, जबकि उनसे पहले भगवान परशुराम भी अवतार थे। रणबीर ने कहा कि भगवान राम का किरदार निभाने का मौका मिलना ही बड़ी बात थी, लेकिन साथ ही भगवान परशुराम का रोल निभाना उनके लिए और भी खास अनुभव

रहा। उन्होंने आगे कहा कि एक एक्टर के रूप में केवल बॉडी लैंग्वेज ही नहीं, बल्कि रोल की आध्यात्मिकता और उसकी भावनाओं को गहराई से समझना जरूरी होता है। उनका मानना है कि एक्टिंग की शुरुआत यहीं से होती है। रणबीर ने यह भी कहा कि फिल्म रामायण की शूटिंग से पहले उन्होंने पूरे एक साल तक इन किरदारों को समझने पर काम किया।

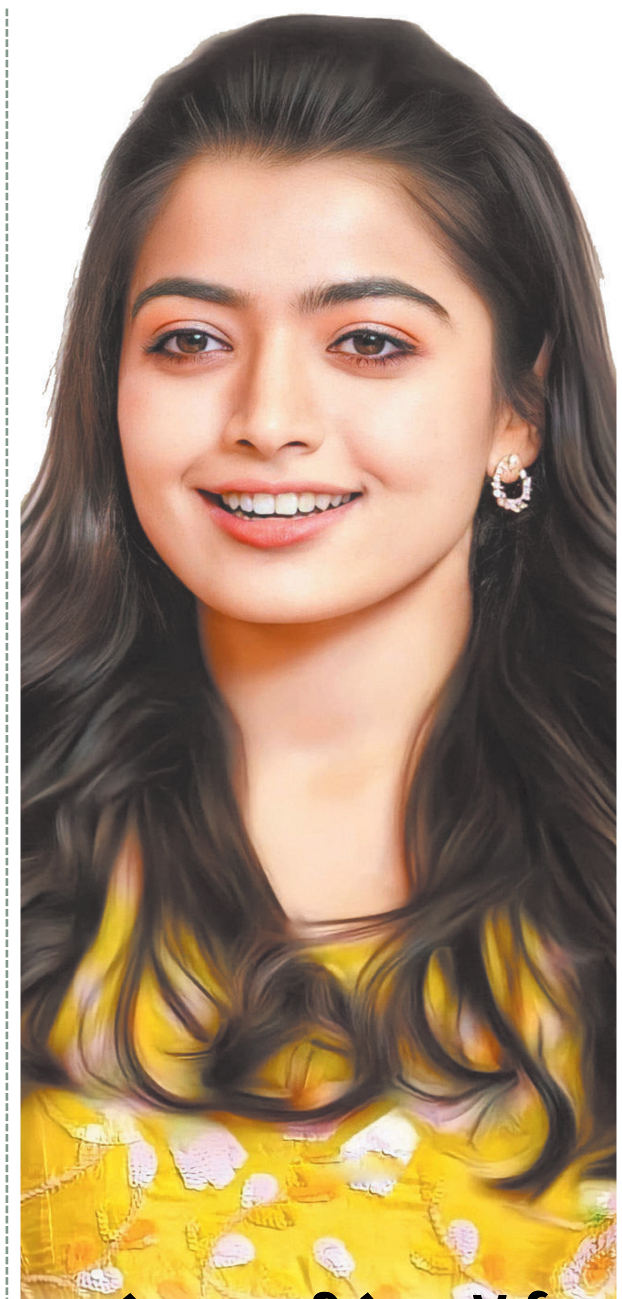

# ग्लोबल एनीमे अवॉर्ड्स में होंगी शामिल

**फिल्मों में अपनी शानदार एक्टिंग से बॉलीवुड और साउथ में अपना नाम कमाने वाली एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना अब इंटरनेशनल लेवल पर एक बार फिर इंडिया को प्रस्तुत करने वाली हैं। बता दें कि रश्मिका मंदाना 'एनिमल' और 'पुष्पा' जैसी सुपरहिट फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।**

रश्मिका मंदाना अब इंटरनेशनल लेवल पर इंडिया को प्रस्तुत करने की तैयारी में हैं। खबर है कि वह इस साल टोक्यो में होने वाले ग्लोबल एनीमे अवॉर्ड्स में बतौर प्रेजेंटर नजर आएंगी। यह बड़ा इवेंट 23 मई को जापान के टोक्यो शहर में आयोजित किया जाएगा। खास बात यह है कि रश्मिका इससे पहले भी 2024 में इस अवॉर्ड शो का हिस्सा रह चुकी हैं और उस समय वह ऐसा करने वाली पहली भारतीय प्रेजेंटर बनी थीं। रश्मिका ने खुद इस खबर को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने लिखा कि वह एक बार फिर जापान जाकर एनीमे से जुड़े टैलेंटेड लोगों के साथ इस खास मौके को सेलिब्रेट करने के लिए बेहद एक्साइटेड हैं।

### एनीमे लवर्स को साथ लाने वाला प्लेटफॉर्म

बता दें कि एनीमे अवॉर्ड्स दुनियाभर के कलाकारों, क्रिएटर्स और एनीमे लवर्स को एक साथ लाने वाला बड़ा प्लेटफॉर्म है, जहां बेहतरीन काम को सम्मानित किया जाता है। रश्मिका का एनीमे और जापान से खास कनेक्शन भी रहा है। 2024 में पहली बार जापान जाने का उनका सपना पूरा हुआ था और तब उन्होंने इस अनुभव को अपने करियर के सबसे खास पलों में से एक बताया था। वर्कफ्रंट की बात करें तो रश्मिका 'रणबाली' और 'कॉकटेल 2' में नजर आएंगी।

# आपको अपनी जीत खुद कमानी पड़ती है

अभिषेक बच्चन के बॉलीवुड करियर को 26 साल हो चुके हैं। अपने करियर में उन्होंने अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं। लेकिन वह ऐसे परिवार में आते हैं, जहां तीन बड़े नामी स्टार मौजूद हैं। पिता अमिताभ बच्चन सदी के महानायक हैं। मां जया बच्चन एक उम्दा अभिनेत्री रही हैं। वहीं पत्नी ऐश्वर्या विश्व सुंदरी और बॉलीवुड की सबसे हिट एक्ट्रेस में शामिल रही हैं। अक्सर ही अभिषेक बच्चन के करियर की तुलना उनकी पत्नी के करियर से होती है। हाल ही में इस मुद्दे पर अभिषेक ने फिर मन की बात कही है। अभिषेक बच्चन से पूछा गया कि शादी के बाद ज्यादा सफल पार्टनर के साथ रहने पर कुछ लोग असुरक्षित महसूस करते हैं। इस पर अभिषेक कहते हैं, 'मैं ऐसा इंसान नहीं हूं जो सिर्फ इसलिए जीतना चाहता हो क्योंकि किसी और ने हार मान ली। मुझे बचपन से यही सिखाया गया है कि आपको अपनी जीत खुद कमानी पड़ती है।' वह आगे कहते हैं, 'मेरी सोच ऐसी ही है। मैं किसी ऐसी पार्टनरशिप या शादी में नहीं रहना चाहता हूं, जहां मेरी पत्नी को कोई काम करना इसलिए बंद करना पड़े क्योंकि मुझे खुद को ज्यादा मर्द जैसा महसूस कराना है। शुक्र है कि मेरी पत्नी भी ऐसी ही है, जो इस तरह से नहीं सोचती हैं।'

# हॉलीवुड सीरीज में नजर आएंगी सनी लियोनी

सनी लियोनी हाल ही में रिलीज हुई अनुराग कश्यप की फिल्म कैनेडी को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म में उनकी परफॉर्मेंस पर पॉजिटिव रिव्यू मिलने के बाद वह हॉलीवुड प्रोजेक्ट की ओर चल पड़ी हैं। इस एक्ट्रेस ने हॉलीवुड सीरीज द जाइंट की कास्ट को जॉइन कर लिया है। जल्द ही इसकी शूटिंग शुरू होगी। प्रोजेक्ट को लेकर सनी लियोनी ने कहा, यह मेरे पहले किए गए काम से बहुत अलग है। उन्होंने आगे कहा पूरी तरह से एक नई दुनिया में कदम रखना मेरे लिए हमेशा एक रोमांचक अनुभव होता है। वह बोलीं मैं इस सफर का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं और इसमें अपना सब कुछ देने के लिए तैयार हूं। इस सीरीज में अभिनेत्री थोड़ा अलग रोल कर रही हैं। सनी लियोनी इसमें रिजर्वेशन शेरिफ क्वानाह डियरलीफ के किरदार में होंगी। सीरीज की कास्टिंग में थोड़ी विविधता है। इसमें लैटिन अमेरिकी, अफ्रीकी अमेरिकी और एशियाई मूल के एक्टर्स शामिल होंगे।

# 'धुरंधर 2' से कॉम्पिटिशन नहीं, स्क्रीन का मामला था

पहले अदिवि शेष अभिनीत 'डकैत' फिल्म 'धुरंधर 2' के साथ रिलीज होने वाली थी। लेकिन इसकी रिलीज को आगे बढ़ा दिया गया। अब 10 अप्रैल को यह फिल्म रिलीज होने वाली है। फिल्म का ट्रेलर भी रिलीज हो चुका है, जिसमें मृणाल ठाकुर और अनुराग कश्यप जैसे कलाकार भी नजर आ रहे हैं। हाल ही में अदिवि शेष ने फिल्म 'धुरंधर 2' से टकराव, स्क्रीन की कमी के अलावा करियर से जुड़ी कई बातें की हैं।

### 'धुरंधर 2' से कॉम्पिटिशन नहीं था

फिल्म 'डकैत' की रिलीज टलने के सवाल पर अदिवि शेष साफ कहते हैं, 'जहां तक 'धुरंधर 2' की बात है, मेरे हिसाब से आर्टिस्ट और आर्ट के बीच कोई रेस नहीं होती है। आर्ट की दुनिया में कॉम्पिटिशन नहीं होता है। 19 मार्च की तारीख 'डकैत' के लिए बहुत जरूरी थी, खासकर हिंदी वर्जन के लिए। हमारे लिए जरूरी था कि फिल्म को अच्छा शो और स्क्रीन मिले। इसलिए यह डर का नहीं बल्कि स्क्रीन का फैसला था।' वह आगे कहते हैं, 'जब इंडिया की इतनी बड़ी फिल्म रिलीज होती है तो स्क्रीन मिलना मुश्किल हो जाता है। इसलिए हमने रिलीज को आगे बढ़ाया जिससे तेलुगु और हिंदी दोनों वर्जन को सही स्पेस और बेहतर शो मिल सकें। 'धुरंधर 2' मैंने देखी है और मुझे बहुत पसंद आई। इसमें कोई शक नहीं कि यह इंडिया की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक है।'

### अक्षय कुमार से खास है कनेक्शन

अदिवि शेष की फिल्म 'डकैत' अक्षय कुमार की 'भूत बंगला' के साथ रिलीज हो रही है। वह कहते हैं, 'मुझे नहीं पता कि अक्षय सर के साथ क्या कनेक्शन है। मैं उनका बहुत बड़ा फैन हूं। मेरी फिल्म 'मेजर' भी उनकी फिल्म 'सम्राट पृथ्वीराज' के साथ क्लैश हुई थी। अब 'भूत बंगला' के साथ 'डकैत' के साथ रिलीज हो रही है। मैं खुश हूं कि किसी न किसी तरह से उनके साथ कनेक्शन बना रहता है।'

साउथ सिनेमा से शुरुआत करने वाले अदिवि शेष अब हिंदी फिल्मों में भी सक्रिय हैं। इस बदलाव पर वह कहते हैं, 'मुझे लगता है पहले जो दूरी थी, वो अब धीरे-धीरे कम हो रही है। जब लोग एक-दूसरे से कम बात करते हैं तो गैप बढ़ जाता है। लेकिन अब आना-जाना बहुत बढ़ गया है। हिंदी इंडस्ट्री के कई एक्टर्स हैदराबाद आते हैं और हम भी मुंबई-दिल्ली जाते रहते हैं। इस वजह से एक क्लोजनेस आ गई है। मुझे लगता है कि खासकर अगली जनरेशन शायद यह फर्क ही नहीं करेगी कि यह हिंदी फिल्म है या साउथ की है। सबको इंडियन फिल्म्स के तौर पर देखा जाएगा।' एक दिलचस्प उदाहरण देते हुए वह कहते हैं, 'मैं हाल ही में दिल्ली में था, वहां एक टैक्सी ड्राइवर बता रहा था कि उसने मलयालम फिल्म हिंदी डबिंग में देखी। मेरा खुद का ड्राइवर हिंदी शोज देखता है। इससे साफ है कि जो दूरी पहले थी, वो अब कम हो रही है।'

### खुद को 'मेजर' के बाद नहीं दोहराया

बॉलीवुड से मिले ऑफर्स पर अदिवि शेष का जवाब काफी साफ है। वह कहते हैं, 'मुझे 'मेजर' के बाद वॉर फिल्मों के काफी सारे ऑफर्स आए। लेकिन मुझे कहीं न कहीं लगा कि 'मेजर' में संदीप का रोल करने के बाद फिर से वही किरदार करना सही नहीं होगा। मैंने उनके पैरेंट्स से भी वादा किया था। साथ ही यह मेरे लिए एक ड्रीम प्रोजेक्ट था। उसके बाद अगर मैं बार-बार उसी तरह के रोल करता रहता, तो उसका असर कम हो जाता। यही वजह है कि मैंने ऐसे कई ऑफर्स ठुकरा दिए।' अदिवि शेष आगे कहते हैं, 'मेरे लिए यह जरूरी है कि जो भी काम करूं, उसमें कुछ खास हो। मुझे इससे फर्क नहीं पड़ता कि प्रोड्यूसर कौन है? डायरेक्टर कौन है? या कितने पैसे मिल रहे हैं? अगर वह चीज मुझे अंदर से टच नहीं करती, तो मैं उसे नहीं करता।'

### बॉलीवुड एंट्री को लेकर साफ है नजरिया

बॉलीवुड में एंट्री को लेकर चल रही बहस पर अदिवि शेष कहते हैं, 'सच कहूं तो किसी भी इंडस्ट्री में एंट्री आसान नहीं होती। सिर्फ बॉलीवुड ही नहीं, हॉलीवुड में भी जाकर देख लीजिए। संघर्ष हर जगह है। पूरे देश में गिने-चुने हीरो होते हैं, उनमें से भी बहुत कम ऐसे होते हैं जिनकी फिल्में सच में बिकती हैं। मैं खुद को खुशकिस्मत मानता हूं कि यहां तक पहुंच पाया। यह सिर्फ फिल्म इंडस्ट्री की बात नहीं है। आप किसी भी फील्ड में चले जाइए। हर जगह कॉम्पिटिशन है, हर जगह स्ट्रगल है। यह कहना कि सिर्फ बॉलीवुड में एंट्री मुश्किल है, पूरी तरह सही नहीं है।'

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।